हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 117 ● भिलाई, गुरुवार 26 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

बेरोजगार युवाओं को हर महीने मिलेंगे 2000 रुपए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल देने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ी पहल की है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि प्रदेश में 'भोरशा कर्मसूची' योजना के तहत आगामी जनवरी महीने से बेरोजगार युवाओं को मासिक भत्ता दिया जाएगा। सरकार के इस फैसले से राज्य के उन लाखों शिक्षित युवाओं को सीधा आर्थिक सहारा मिलेगा जो फिलहाल रोजगार की तलाश में हैं। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने योजना के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि जनवरी से बेरोजगार स्नातकों और सरकारी व्यावसायिक संस्थानों व आईटीआई से डिप्लोमा प्राप्त करने वाले युवाओं को हर महीने 2,000 रुपये का भत्ता प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही, बेरोजगार गैर-स्नातक युवाओं को भी इस योजना के दायरे में रखा गया है, जिन्हें प्रति माह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सुप्रिया सुले ने एनडीए में शामिल होने की अटकलों को किया खारिज

मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने उन अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा था कि वरिष्ठ नेता शरद पवार सक्रिय राजनीति से संन्यास ले सकते हैं और उनका गुट भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो सकता है। सुप्रिया सुले ने शरद पवार के राजनीतिक भविष्य को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर नाराजगी जताई और उनके संन्यास लेने की चर्चा को बेतुका करार दिया। उन्होंने कहा, शरद पवार संन्यास नहीं लेंगे। कौन संन्यास लेगा, यह जनता तय करेगी। शरद पवार का राज्यसभा में अभी 5 साल का कार्यकाल बाकी है, तो वे संन्यास कैसे ले सकते हैं? संजय राउत ने भी इन रिपोर्टों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि पवार का छह दशक लंबा राजनीतिक करियर कट्टरपंथी ताकतों से लड़ने और समाज सुधारकों के आदर्शों को बनाए रखने के इर्द-गिर्द रहा है।

26 नवंबर को मोगा की धरती पर होगी आम आदमी पार्टी की खुशहाल पंजाब रैली

जालंधर। आम आदमी पार्टी पंजाब के महासचिव एवं जालंधर कैंट विधानसभा क्षेत्र के इंचार्ज दीपक बाली ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 नवंबर को मोगा के मटवाणा में आम आदमी पार्टी के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर 'खुशहाल पंजाब रैली' का आयोजन किया जा रहा है। इस रैली के लिए लगभग 116 एकड़ भूमि निर्धारित की गई है और तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। दीपक बाली ने बताया कि आम आदमी पार्टी की स्थापना 26 नवंबर 2012 को हुई थी और इस वर्ष पार्टी अपना 15वां स्थापना दिवस मना रही है। इस अवसर पर पंजाब भर से पार्टी के नेताओं पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के मोगा पहुंचने की उम्मीद है।

मोदी कैबिनेट ने 5 फैसले पर लगाई मुहर,19 हजार करोड़ मंजूर

असम में नया एयरपोर्ट,कामराजार पोर्ट पर दूसरा टर्मिनल-पीएम मोदी

नई दिल्ली/ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मोदी कैबिनेट की बैठक 25 नवंबर को हुई। बैठक में मोदी कैबिनेट ने 5 प्रोजेक्ट पर मुहर लगाई। फैसले में कामराजार पोर्ट पर टर्मिनल के निर्माण को मंजूरी दी गई। साथ ही असम और डाक विभाग के लिए भी अहम फैसले लिए गए। बकायदा इन योजनाओं के लिए मोदी कैबिनेट ने 19 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। कैबिनेट ने बड़ी मशीनों के स्वदेशी निर्माण पर फोकस करते हुए कंस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्कीम को मंजूरी दी। इसके लिए 11,000 करोड़ का प्रावधान रखा है। अश्वनी वैष्णव ने फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि विकास से जुड़ी परियोजनाओं के लिए कुल 19,934 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। जिसमें कंस्ट्रक्शन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्कीम में सबसे अधिक रुपये का प्रावधान रखा गया है। तमिलनाडु के कामराजार पोर्ट पर दूसरा कंटेनर टर्मिनल बनेगा. इसके लिए 4288 करोड़ रुपए मंजूर हुए हैं। वहीं असम के सिलचर स्थित डोलू में 2014 करोड़ रुपए से नया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार का आज का पहला बड़ा फैसला 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत निर्माण और बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने से जुड़ा हुआ है। इसके तहत, क्रेन और बुलडोजर जैसी बड़ी मशीनों, के साथ-साथ उनके पुर्जों और सब-सिस्टम के भारत में ही बनाए जाने को प्रोत्साहित करने के लिए एक योजना को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने डाक विभाग की पोस्टल ऑपरेशंस स्कीम के लिए 1141 करोड़ और एस्टेट मैनजमेंट स्कीम के लिए 1491 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। वहीं कामराजार पोर्ट के लिए 4 हजार करोड़ का प्रावधान किया है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा तमिलनाडु के कामराजार पोर्ट पर दूसरे कंटेनर टर्मिनल के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है. इस कंटेनर टर्मिनल को बनाने के लिए 4,288 करोड़ दिए जाएंगे। इसके अलावा असम के सिलचर के डोलू में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाया जाएगा। कैबिनेट ने इस अहम प्रोजेक्ट के लिए 2,014 करोड़ मंजूर किए हैं।

डाकघरों के आधुनिकीकरण के लिए 1,141 करोड़ रुपये मंजूर

इसके अलावा भी मोदी कैबिनेट में कई अहम फैसले लिए गए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पांच साल में डाकघरों के आधुनिकीकरण के लिए 1,141 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए संवाददाताओं से कहा कि डाक विभाग को मंजूर की गई इस राशि का इस्तेमाल डाक नेटवर्क के आधुनिकीकरण के साथ-साथ चिट्ठी-पत्री और पार्सल सेवाओं को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंजूर परियोजनाओं में ग्रामीण डाकघरों का उन्नयन, डाक और पार्सल के परिवहन एवं वितरण की मध्यवर्ती लॉजिस्टिक व्यवस्था को मजबूत करना तथा सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाना शामिल है। वहीं, कैबिनेट बैठक में देश में निर्माण एवं बुनियादी ढांचा उपकरण (सीआईई) विनिर्माण परिवेश को बढ़ावा देने के लिए 11,000 करोड़ रुपये की योजना को भी मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि यह योजना आठ सालों (वित्त वर्ष 2026-27 से 2033-34 तक) के लिए लागू होगी।

दिल्ली के कैफे में युवती से गैंगरेप

शराब पार्टी के बाद आधी रात दरिंदगी का चला खेल



नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से गैंगरेप का सनसनीखेज और शर्मनाक मामला सामने आया है। दिल्ली के कैफे में युवती से गैंगरेप की वारदात हुई है। दिल्ली के प्रीत बिहार में कैफे में युवती के साथ गैंगरेप किया गया। शराब पार्टी के बाद आधी रात दरिंदगी का ये खेल चला। सभी आरोपी पीड़िता के सहकर्मी हैं। आरोपियों में महिला कर्मी भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं समेत 3 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें जुटी हैं। जानकारी के मुताबिक पीड़िता कड़कड़डूमा के क्रॉस रिवर मॉलके सल्तनत कैफे 8 में काम करती है। बाकी आरोपी भी उसी के साथ से इसी कैफ़े में काम करते हैं। सोमवार देर रात रात पीड़िता मिलाकर सभी 7 लोग प्रीत विहार स्थित सल्तनत नाम के कैफ़े पहुंचे। कैफे रात करीब 11:30 बजे बंद हो चुका था।

खेत में टूटे बिजली के तार की चपेट में आने से युवक की मौत

हाईकोर्ट ने बिजली कंपनी को ठहराया जिम्मेदार,कोर्ट ने मृतक के माता-पिता को 15.21 लाख मुआवजा बरकरार

बिलासपुर। खेत में टूटे सर्विस तार की चपेट में आने से 18 वर्षीय युवक की मौत के मामले में हाईकोर्ट ने बिजली कंपनी को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने मृतक के माता-पिता को 15.21 लाख रुपये मुआवजा और छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के जिला कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कंपनी की अपील खारिज कर दी। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस पीपी साहू और जस्टिस सुषमा सावंत की डिवीजन बेंच ने कहा कि बिजली कंपनी केवल कनेक्शन देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती, तारों का रखरखाव और जनसुरक्षा भी उसका दायित्व है। मामला बेमेतरा के पेंड्री गांव का है, जहां साल 2022 में करंट लगने से युवक की जान गई थी। जस्टिस पीपी साहू और जस्टिस सुषमा सावंत की डिवीजन बेंच ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि बिजली जैसी खतरनाक वस्तु की आपूर्ति करने वाले विभाग की जिम्मेदारी केवल कनेक्शन देने तक सीमित नहीं है। विभाग को नियमित रूप से तारों का निरीक्षण, रखरखाव और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ कोर्ट ने मृतक के माता-पिता को 15 लाख 21 हजार 344 रुपये मुआवजा और छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने के जिला न्यायालय के फैसले को बरकरार रखते हुए बिजली कंपनी की अपील खारिज कर दी है। बेमेतरा जिले के पेंड्री गांव में रहने वाले उदल चतुर्वेदी और जयकुमारी के 18 वर्षीय पुत्र भानुप्रताप की 20 नवंबर 2022 को खेत में करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई थी। भानुप्रताप सुबह करीब 9 बजे अपने बड़े भाई कृपादयाल के साथ खेत देखने गया था। खेत में घुसे मवेशियों को भगाने के दौरान वह सिंचाई के लिए लगे तीन हॉर्स पावर के ट्यूबवेल कनेक्शन के टूटे हुए सर्विस तार की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक के माता-पिता ने बिजली कंपनी के कार्यपालन अभियंता और कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ बेमेतरा के प्रथम जिला न्यायाधीश के न्यायालय में मुआवजे का दावा पेश किया था। सुनवाई के बाद जिला न्यायालय ने 19 नवंबर 2024 को बिजली विभाग की लापरवाही मानते हुए पीड़ित परिवार को 15,21,344 रुपये मुआवजा व छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का आदेश पारित किया था।



राहुल गांधी को मिली सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

शीर्ष अदालत ने किया इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को निरस्त...

नई दिल्ली/ एजेंसी



कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कथित आय से अधिक संपत्ति के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय को राहुल गांधी के खिलाफलगाए गए आरोपों की जांच करने के निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में राहुल गांधी का पक्ष सुने बिना आगे कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए। अब हाई कोर्ट सभी संबंधित पहलुओं पर नए सिरे से सुनवाई करेगा। बुधवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि बीजेपी कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका की स्वीकार्यता (मेंटेनेबिलिटी) समेत सभी कानूनी सवालों पर राहुल गांधी को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाए। दरअसल, कर्नाटक के बीजेपी कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी की संपत्ति उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से अधिक है। इसी शिकायत के आधार पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। मई में हाई कोर्ट ने निर्देश दिया था कि यदि संबंधित शिकायत एजेंसियों को मिली है ।

पंजाब को बर्बाद करने वाले फिर साथ आए, जनता जवाब देगी:आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को शिअद और भाजपा के गठबंधन पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये लोग सत्ता के लिए साथ आए हैं। पंजाब की जनता भरोसा नहीं कर सकती है। केजरीवाल ने दावा किया कि पांच साल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने प्रदेश में विकास किया है। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारा गठबंधन पंजाब की माताओं-बहनों, एससी समुदाय, किसानों और व्यापारियों के साथ है। भाजपा और अकाली सत्ता के लिए बार-बार एक साथ आती हैं और फिर अलग हो जाती हैं।

चीन की मदद से पाक के पहले एस्ट्रोनॉट की हुई लॉन्चिंग

राकेश शर्मा के 42 साल बाद अंतरिक्ष में पहुंचा पाकिस्तानी

नई दिल्ली/ एजेंसी

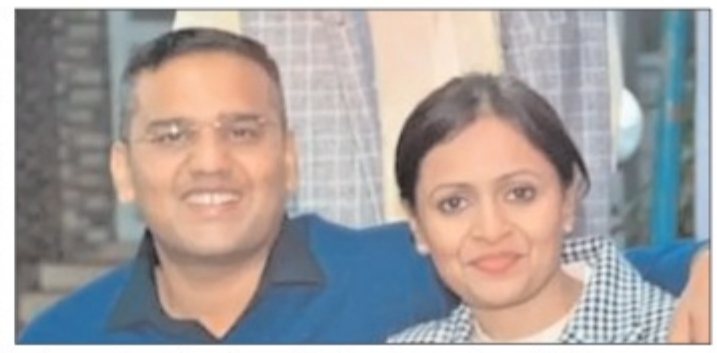


चीन ने बुधवार को अपने मानवयुक्त अंतरिक्ष यान 'शेनझोउ-24' का सफल प्रक्षेपण किया, जिसमें पाकिस्तान के मुहम्मद जीशान अली समेत तीन अंतरिक्ष यात्री सवार हैं। अली चीन के मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम में भाग लेने वाले पहले विदेशी नागरिक हैं। 'लॉन्ग मार्च-2एफ' वाहक रॉकेट की मदद से अंतरिक्ष यान को उत्तर-पश्चिमी चीन स्थित जीक्यूआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से रवाना किया गया। अधिकारियों ने प्रक्षेपण के कुछ ही मिनट बाद इसे सफल घोषित कर दिया। चीन के अंतरिक्ष मिशन में पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री की भागीदारी दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किए जा रहे आयोजनों का हिस्सा है। दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा एवं आर्थिक संबंध हैं। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पाकिस्तान के उनके समकक्ष आसिफ अली जरदारी ने बुधवार को दोनों देशों के अंतरिक्ष यात्रियों के संयुक्त अंतरिक्ष मिशन पर एक-दूसरे को बधाई दी। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, शी ने अपने संदेश में कहा कि चीन और पाकिस्तान के अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा संयुक्त रूप से अंतरिक्ष अन्वेषण करना दोनों देशों की गहरी मित्रता का जीवंत उदाहरण होने के साथ-साथ द्विपक्षीय सहयोग की एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

कोयला लेवी घोटाले में आईएएस जयप्रकाश मौर्य की मुश्किलें बढ़ीं

दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

रायपुर/ संवाददाता



छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला लेवी घोटाले में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जयप्रकाश मौर्य की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से पेश छठे पूरक चालान में नाम शामिल किए जाने के खिलाफ अधिकारी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अग्रिम जमानत के लिए दायर उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने शासन से जवाब मांगा है। दरअसल छत्तीसगढ़ में कोयला परिवहन के नाम पर कथित अवैध वसूली के इस मामले में जांच एजेंसियां लंबे समय से पड़ताल कर रही हैं। इस प्रकरण में पूर्व कलेक्टर रानू साहू, कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी सहित कई अन्य लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। अब इस मामले की जांच का दायरा तत्कालीन खनिज संचालक रहे ब्रूस जयप्रकाश मौर्य तक पहुंच गया है। जांच एजेंसी ने 5 अक्टूबर 2026 को विशेष अदालत में छठा पूरक चालान पेश किया था। इसमें जयप्रकाश मौर्य का नाम भी शामिल किया गया। एजेंसी ने जब्त डायरियों में दर्ज कथित लेनदेन का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि तत्कालीन खनिज संचालक ने इस घोटाले के मुख्य आरोपी सूर्यकांत तिवारी से करीब एक करोड़ रुपये नकद प्राप्त किए थे। जांच एजेंसी के मुताबिक कोयला परिवहन पर 25 रुपये प्रति टन और आयरन पैलेट के परिवहन पर 100 रुपये प्रति टन की दर से अवैध वसूली की व्यवस्था बनाई गई थी। आरोप है कि इस व्यवस्था को लागू कराने और संचालित करने में जयप्रकाश मौर्य की भूमिका रही। एजेंसी ने जुलाई 2020 में ऑनलाइन ई-परमिट जारी करने से पहले जिला खनिज अधिकारी की मंजूरी अनिवार्य किए जाने और जनवरी 2022 में ट्रांजिट पास व्यवस्था लागू करने के फैसलों को भी जांच के दायरे में रखा है। जांच एजेंसी का दावा है कि इन प्रशासनिक बदलावों से कथित वसूली सिंडिकेट को फायदा पहुंचा और बिना किसी ठोस राजस्व नुकसान के आधार के ये फैसले लिए गए।

दुबई जाएगी एसीबी- ईआईडब्ल्यू की टीम, दुबई में गिरफ्तार विकास अग्रवाल को भारत लाने की तैयारी



रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले की जांच में एक और बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। मामले में साल 2023 से फरार चल रहे आरोपी विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू (शिब्बू) को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, विकास अग्रवाल को दुबई में गिरफ्तार किया गया है और यूएई सरकार उसे भारत भेजने की प्रक्रिया के तहत डिपोर्ट कर रही है। उसे एक सप्ताह के भीतर भारत लाने की तैयारी की जा रही है। विकास अग्रवाल को भारत लाने के लिए एसीबी ईओडब्ल्यू की विशेष टीम जल्द ही रवाना होगी। बताया जा रहा है कि एसीबी ईओडब्ल्यू प्रमुख अमरेश मिश्रा के नेतृत्व में टीम विदेश जाने की तैयारी कर रही है। इस मिशन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज भी तैयार कर लिए गए हैं। अब यूएई में संबंधित औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आरोपी को भारत लाने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। जांच एजेंसियों के अनुसार, विकास अग्रवाल पर शराब कारोबार से जुड़े डिस्टिलरी संचालकों और एफएल-10ए लाइसेंस धारकों से कमीशन वसूलने का आरोप है। उसे कथित तौर पर शराब घोटाले की अवैध रकम के लेन-देन में अहम कड़ी माना जा रहा है। विकास अग्रवाल को अनवर ढेबर तक अवैध फंड पहुंचाने की मुख्य कड़ी बताया जा रहा है। ऐसे में उसकी गिरफ्तारी और भारत लाए जाने के बाद जांच एजेंसियां उससे अवैध पैसों के लेन-देन, कमीशन नेटवर्क और रकम के अंतिम लाभार्थियों को लेकर पूछताछ कर सकती हैं।



प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज का स्वागत टुंडरी में

बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का आज बिलाईगढ़ विधानसभा के ग्राम टुंडरी में कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशी स्वागत किया। प्राप्त समाचार के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज आज बलौदा बाजार गिधौरी सड़क मार्ग से सारंगढ़ दौरे पर रहे इसी दरमियान ग्राम टुंडरी में वरिष्ठ कांग्रेस नेता छत्रसाल साहू के नेतृत्व में जोरदार आतिशबाजी के साथ स्वागत किया गया यहां बड़े तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष जी का फूल माला एवं पुष्प गुच्छ से उनका आतिशी स्वागत किया तथा क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक कविता प्राण लहरें, जिला अध्यक्ष ताराचंद देवांगन ,संदीप अग्रवाल, प्रेमशिला नायक ,राजकुमार जांगड़े, लता जाटवर ,इंदु भूषण पड़वार,शैलेंद्र देवांगन ,खगेश्वर वैष्णव ,डॉ शंकर नारंग,यादराम हिरवानी , डा हरिराम पटेल, हरिहर साहू ,राम शंकर साहू ,यशवंत साहू, मोहन रात्रि ,चंद्रशेखर नायक, दिगेश यादव, रत्न बंजारे, ललहा साहू, सहसराम बारले , धरम वर्मा, भागवत साहू, नंदकिशोर साहू ,संजय यादव,राजेंद्र साहू, मनोज पटेल, सरदीश पटेल,पीहू लाल श्रीवास ,कमल साहू ,अरविंद मनहर ,राजू वर्मा, जीवन प्रधान, उदय राम पटेल, लखन साहू आदि के अलावा सैकड़ो के तादाद में कार्यकर्ता मौजूद रहकर स्वागत किया।



श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला स्तरीय दीवाली मिलन समारोह सम्पन्न

सारंगढ़। श्रमजीवी पत्रकार संघ का जिला स्तरीय दीवाली मिलन समारोह सम्पन्न हुआ। जहाँ श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय दीवाली मिलन समारोह में जिले के जन प्रतिनिधि, वकील, व्यापारी, समाज सेवी, पत्रकार साथी एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इस अवसर पर जिले के विधायक, जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष विजय तिवारी, जनपद अध्यक्ष, नपं अध्यक्ष, जिला कांग्रेस अध्यक्ष, जिला भाजपा महामंत्री, व्यापारी वर्ग, समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई दी और पत्रकार संघ को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय ने कहा – समारोह को संबोधित करते हुए जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय ने श्रमजीवी पत्रकार संघ को जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने पर बधाई दी। पांडे ने कहा – आप कहो, वही मैं लिखूं, ऐसा हो नहीं सकता, सच को सच ना लिखूं, ऐसा हो नहीं सकता पांडे ने कहा कि मीडिया जगत और पत्रकार की भूमिका देश, समाज और हर क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण रही है और रहेगी। चाहे आंदोलन का विषय हो, उत्सव का विषय हो या विकास का विषय हो, हर विषय में पत्रकार अपनी बात रखकर लोगों को जागरूक करते हैं और देश के विकास एवं प्रगति में अपना योगदान देते हैं।

प्रह्लाद की अटूट भक्ति ने दिया संदेश, समुद्र मंथन से निकले अमृत का हुआ गुणगान

भाटापारा। धर्म, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से सराबोर मातादेवालय वार्ड में आयोजित आठ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन श्रद्धालु भगवान विष्णु की लीलाओं और भक्त प्रह्लाद की अटूट आस्था के प्रसंगों में भावविभोर हो उठे।



कथावाचक आचार्य भागवत भूषण पंडित मनोज दुबे ने प्रह्लाद चरित्र, समुद्र मंथन एवं भगवान वामन के अवतार का भावपूर्ण संगीतमय वर्णन कर श्रद्धालुओं को भक्ति, धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। पटेल परिवार द्वारा स्वर्गीय वेदप्रकाश पटेल की वार्षिक श्राद्ध एवं पूर्वजों की मोक्ष प्राप्ति के निमित्त आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में कथा के तीसरे दिवस प्रह्लाद चरित्र का वर्णन करते हुए आचार्य ने बताया कि हिरण्यकश्यप के अत्याचारों और तमाम प्रताड़नाओं के बावजूद बालक प्रह्लाद की भगवान विष्णु के प्रति भक्ति कभी विचलित नहीं हुई। पिता द्वारा अनेक प्रकार की यातनाएं दिए जाने पर भी प्रह्लाद ने हर परिस्थिति में नारायण का स्मरण नहीं छोड़ा। अंततः भक्त की पुकार पर भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार धारण कर अत्याचारी हिरण्यकश्यप का अंत किया। इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने बताया कि सच्ची भक्ति में इतनी शक्ति होती है कि विपरीत से विपरीत परिस्थितियां भी भक्त की आस्था को डिगा नहीं सकतीं। अहंकार का अंत और धर्म की विजय निश्चित है। इसके पश्चात समुद्र मंथन की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए उन्होंने देवताओं और असुरों द्वारा अमृत प्राप्ति के लिए किए गए समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया।



स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी, हर सप्ताह अस्पतालों का निरीक्षण करें : कलेक्टर यादव

कोरिया। कलेक्टर रोकिमा यादव ने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि मरीजों को समय पर जांच, इलाज और दवाएं मिलें। आपात स्थिति में स्वास्थ्य केंद्रों पर डॉक्टर और कर्मचारी उपलब्ध रहें और मरीजों व उनके परिजनों के साथ विनम्र व्यवहार किया जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं सीधे लोगों के जीवन से जुड़ी हैं और इनमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ), सभी विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ), नोडल चिकित्सक और सुपरवाइजर उपस्थित रहे। जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं और नवजातों की समय पर पहचान करें-कलेक्टर ने मातृ एवं शिशु मृत्यु के मामलों की समीक्षा कर उनके कारणों का विश्लेषण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं का प्रसवपूर्व देखभाल (एएनसी) के लिए समय पर पंजीयन हो और उनकी नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। अधिक जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की समय पर पहचान कर उनकी निगरानी और उपचार की व्यवस्था करें। उन्होंने मां और नवजात की सुरक्षा के लिए संस्थागत प्रसव बढ़ाने तथा टीबी और कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग में तेजी लाने के निर्देश दिए।

छात्रावास की व्यवस्थाओं तक का लिया जायजा

कलेक्टर का मैदानी दौरा: कहीं किसानों की सामूहिक खेती देखी तो कहीं छात्रावास की बदहाल व्यवस्था पर जताई नाराजगी

एमसीबी। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का जायजा लेने के उद्देश्य से कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने आज मनेंद्रगढ़ विकासखंड की विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन पंचायत भवनों, आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर, छात्रावास, आंगनबाड़ी केंद्र, कृषि एवं उद्यानिकी गतिविधियों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जहां उन्होंने अच्छी पहल और सामूहिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियों की जानकारी ली, वहीं व्यवस्थाओं में कमियां मिलने पर अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश भी दिए। लालपुर में क्रीड़ा परिसर का निरीक्षण, विद्यार्थियों से किया सीधा संवाद-कलेक्टर ने ग्राम पंचायत लालपुर स्थित आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर एवं खेल मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित विद्यार्थियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं,



उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों से परिसर में रहने की व्यवस्था, खेल गतिविधियों एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में चर्चा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत डंगौरा में स्थापित आम की नर्सरी का निरीक्षण किया।

उन्होंने नर्सरी में संचालित गतिविधियों एवं पौधों की स्थिति की जानकारी ली। वहीं ग्राम पंचायत कठौतिया में स्वामित्व योजना के अंतर्गत हितग्राही उर्मिला पिता मदन एवं वदंती पिता मंगल को आबादी पट्टा प्रदान किए जाने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा संबंधित जानकारी प्राप्त की। विश्रामपुर में 18 एकड़ में सामूहिक खेती, किसानों से जानी आय की जानकारी-ग्राम पंचायत शिवगढ़ के आश्रित ग्राम विश्रामपुर में कलेक्टर ने सामूहिक खेती की पहल का निरीक्षण किया। यहां हितग्राही गजराज सिंह, रामशरण, रूप नारायण, हीरा सिंह, मनबहीर एवं दिलराज सिंह द्वारा लगभग 18 एकड़ भूमि में मिलकर खेती की जा रही है। इस भूमि पर आलू, मटर, मूली, सरसों एवं पाम ऑयल की खेती की जा रही है। कलेक्टर ने खेतों का अवलोकन कर फसलों की स्थिति और कृषि गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों से सामूहिक खेती के अनुभव, उत्पादन एवं इससे होने वाली आय के संबंध में भी चर्चा की।इसके साथ ही ग्राम पंचायत मनवारी में नवीन ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों की उपस्थिति की जानकारी ली तथा केंद्र में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं एवं केंद्र के संचालन के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की।

केल्हारी छात्रावास की अव्यवस्थाओं पर नाराजगी, दो दिनों में सुधार के निर्देश-ग्राम पंचायत केल्हारी में कलेक्टर ने निर्माणाधीन नवीन ग्राम पंचायत भवन, खेल मैदान एवं आदिवासी बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत भवन और खेल मैदान में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। वहीं आदिवासी बालक छात्रावास के वॉशरूम में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्रावास में पानी, बिजली एवं जर्जर व्यवस्थाओं को दो दिनों के भीतर दुरुस्त किया जाए।

लालपुर में क्रीड़ा परिसर का निरीक्षण, विद्यार्थियों से किया सीधा संवाद

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत लालपुर स्थित आदिवासी बालक क्रीड़ा परिसर एवं खेल मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित विद्यार्थियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं, उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्रों से परिसर में रहने की व्यवस्था, खेल गतिविधियों एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में चर्चा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत डंगौरा में स्थापित आम की नर्सरी का निरीक्षण किया। उन्होंने नर्सरी में संचालित गतिविधियों एवं पौधों की स्थिति की जानकारी ली। वहीं ग्राम पंचायत कठौतिया में स्वामित्व योजना के अंतर्गत हितग्राही उर्मिला पिता मदन एवं वदंती पिता मंगल को आबादी पट्टा प्रदान किए जाने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा संबंधित जानकारी प्राप्त की।विश्रामपुर में 18 एकड़ में सामूहिक खेती, किसानों से जानी आय की जानकारी-ग्राम पंचायत शिवगढ़ के आश्रित ग्राम विश्रामपुर में कलेक्टर ने सामूहिक खेती की पहल का निरीक्षण किया। यहां हितग्राही गजराज सिंह, रामशरण, रूप नारायण, हीरा सिंह, मनबहीर एवं दिलराज सिंह द्वारा लगभग 18 एकड़ भूमि में मिलकर खेती की जा रही है। इस भूमि पर आलू, मटर, मूली, सरसों एवं पाम ऑयल की खेती की जा रही है। कलेक्टर ने खेतों का अवलोकन कर फसलों की स्थिति और कृषि गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने हितग्राहियों से सामूहिक खेती के अनुभव, उत्पादन एवं इससे होने वाली आय के संबंध में भी चर्चा की।इसके साथ ही ग्राम पंचायत मनवारी में नवीन ग्राम पंचायत भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया।

दूधाधारी मठ महोत्सव में श्रीराम कथा का आयोजन, गुरु परंपरा और यज्ञ के महत्व पर दिया प्रवचन

जांजगीर चाम्पा, एजेंसी

ऐतिहासिक दूधाधारी मठ महोत्सव में चल रही श्रीराम कथा के दौरान श्रद्धालुओं को जीवन, प्रेम और गुरु परंपरा का आध्यात्मिक संदेश मिला। अवधपुरी धाम (उत्तर प्रदेश) से पधारे अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी यतिराजाचार्य जी महाराज ने कथा का रसपान कराते हुए कहा कि स्वार्थ में कभी प्रेम नहीं होता, बल्कि निस्वार्थ प्रेम में ही सब कुछ समाहित होता है। इस अवसर पर महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज प्रतिदिन की तरह मंच पर मुख्य यजमान के रूप में विराजित रहे। स्वामी यतिराजाचार्य जी महाराज ने कहा कि वैष्णवों के लिए गुरु परंपरा से बढ़कर कोई दूसरा धन नहीं है। गुरु ने जो आदेश दिया है और जो मार्ग वे दिखा गए हैं, उस पर चलना ही शिष्यों



स्वार्थ में प्रेम नहीं होता, प्रेम में सब कुछ होता है: स्वामी यतिराजाचार्य

का परम कर्तव्य है। भगवान श्रीराम के अवतार का प्रयोजन स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि हनुमान जी ने स्वयं बताया है कि प्रभु केवल रावण का वध करने नहीं, बल्कि संसार को मानवीय आदर्श प्रदान करने के लिए मृत्यु लोक में अवतरित हुए थे। मठ के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए स्वामी जी ने कहा कि जिसके पास जो होता है, वह दूसरों को वही प्रदान करता है। जैसे मेघ जल देता है, उसी तरह मराठा शासकों ने दूधाधारी मठ के परम तपस्वी श्री स्वामी बलभद्र दास जी महाराज को अपना राज्य ही सौंप दिया और 'राजेश्री' की उपाधि दी। उन्होंने कहा कि संत कमंडल लेकर आश्रम में ही रहते हैं, इसलिए राज्य मिलने के बाद भी वे तपस्वी ही बने रहे। ऐसी अनोखी उपाधि पूरे भारतवर्ष में कहीं और देखने को नहीं मिलती।

ऑनलाइन टोकन सुविधा से महिला किसानों को भी मिल रही सहूलियत, धान खरीदी बनी आसान

एमसीबी। जिले में धान खरीदी को लेकर किसानों में उत्साह और हर्ष का माहौल है। शासन द्वारा किसानों की उपज के सुव्यवस्थित उपार्जन एवं उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए की गई व्यवस्थाओं का सकारात्मक प्रभाव खरीदी केंद्रों में देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में एमसीबी जिले के ग्राम चोपन निवासी महिला किसान सरिता अपनी 32 क्विंटल धान की उपज लेकर रतनपुर धान उपार्जन केंद्र पहुंचीं, जहां उन्होंने खरीदी व्यवस्था और उपलब्ध सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। किसानों की सुविधा के लिए शुरू की गई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान विक्रय प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक हो गई है। अब किसानों को टोकन प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में खड़े होने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। घर बैठे ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की



सुविधा से किसानों के समय और श्रम की बचत हो रही है तथा वे निर्धारित तिथि पर आसानी से अपनी उपज लेकर खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं। उपार्जन केंद्र में धान खरीदी के लिए सुव्यवस्थित व्यवस्था, पर्याप्त बारदाने, तौल की सुविधा तथा किसानों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन सुविधाओं के चलते किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, तैयारियों को समय पर पूरा करने के निर्देश

बलरामपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 27 नवंबर 2026 को बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर विकासखंड अंतर्गत रघुनाथनगर में आयोजित कर्मा महोत्सव में शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय हाई स्कूल मैदान में किया जाएगा। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। सोमवार को कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।कलेक्टर ने हेलीपैड, मुख्य मंच सहित कार्यक्रम स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक व्यवस्था, पेयजल, बिजली, सुरक्षा और यातायात प्रबंधन की सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूरी कर ली जाएं, ताकि महोत्सव में शामिल होने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।



10 विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे नि:शुल्क सेवाएं

कर्मा महोत्सव के दौरान आम लोगों के लिए नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इसमें 10 विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम विभिन्न बीमारियों की जांच और उपचार संबंधी परामर्श देगी। शिविर में स्त्री रोग, त्वचा रोग, सामान्य चिकित्सा, नेत्र रोग, मानसिक रोग, हड्डी रोग, शल्य चिकित्सा, कान-नाक-गला, कैंसर और शिशु रोग विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में विशेष रूप से महिलाओं के स्वास्थ्य पर ध्यान दिया जाएगा। हालांकि बच्चे, बुजुर्ग और पुरुष भी नि:शुल्क जांच एवं परामर्श का लाभ उठा सकेंगे।

स्वार्थ में प्रेम नहीं होता प्रेम में सब कुछ होता है

जांजगीर चांपा। गुरु परंपरा से बढ़कर वैष्णवों का कोई धन है ही नहीं। जैसा गुरु ने आदेश दिया, जो रास्ते वे दिखा गए हैं, उस पर चलना ही वैष्णवों का परम कर्तव्य है यह बातें अवधपुरी धाम (उत्तर प्रदेश) से पधारे हुए अनंत श्री विभूषित श्री स्वामी यतिराजाचार्य जी महाराज ने दुधाधारी मठ महोत्सव में श्रोताओं को श्री राम कथा का रसपान कराते हुए अभिव्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी ने राम जी के अवतार का केवल एक ही प्रयोजन बताया है, वह यह कि मानव को मानवीय आदर्श प्रदान करने के लिए ही राम जी मृत्यु लोक में आए, रावण को मारने के लिए उन्हें जन्म लेने की आवश्यकता ही नहीं थी जिसके पास जो होता है, वही वह दूसरों को प्रदान करता है, आप मेघ के पास जाएंगे तो वह आपको पानी ही देगा। ऐसे ही श्री दूधाधारी मठ को मराठा शासकों ने राजेश्री की उपाधि दी। उनके पास राज्य था तो उन्होंने पूज्य महाराज जी को राज्य ही प्रदान किया।

अर्थात यहां के परम तपस्वी श्री

जादू के माध्यम से दिया गया कुष्ठ रोग से बचाव और जागरूकता का संदेश

विद्यालय में कुष्ठ मुक्त समाज बनाने का संकल्प

भटगांव। भटगांव (जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, छ.ग.)। स्थानीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भटगांव में भारत सरकार के तत्वावधान में कुष्ठ रोग (लेप्रोसी) के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित जादूगरों की टीम ने अपने रोचक और मनोरंजक जादुई करतबों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को कुष्ठ रोग के लक्षण, कारण और इसके पूर्ण उपचार की विस्तृत जानकारी दी। जादूगरों ने सरल और आकर्षक शैली में समझाया कि कुष्ठ रोग कोई अभिशाप या छुआछूत की बीमारी नहीं है, बल्कि यह एक सामान्य जीवाणु से होने वाला रोग है, जो एमडीटी दवाओं के नियमित सेवन से पूरी तरह ठीक हो सकता है। उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे



इस महत्वपूर्ण जानकारी को अपने घरों तक पहुंचाएं और अपने माता-पिता व परिजनों को भी इसके सभी पहलुओं से अवगत कराएं, ताकि समाज में फैली भ्रांतियों को दूर किया जा सके।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे एक जागरूक दूत की तरह अपने अभिभावकों को कुष्ठ रोग के शुरुआती लक्षणों—जैसे त्वचा पर सुन्न दाग—की पहचान करने और समय पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने के लिए समझाएं। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री नारंग ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने बच्चों से कहा कि कुष्ठ रोगियों के प्रति भेदभाव न रखें और समय पर इलाज कराकर स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम के अंत में सभी ने कुष्ठ मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

श्रृंगी ऋषि पर्वत से गणेश घाट तक विकास की तैयारी, सिहावा को मिलेगी पर्यटन की नई पहचान

अब पर्यटन के नक्शे पर चमकेगा महानदी का उद्गम स्थल

- **अमरकंटक की तर्ज पर विकसित होगा सिहावा, 20 करोड़ की पर्यटन कार्ययोजना तैयार; श्रृंगी ऋषि पर्वत से गणेश घाट तक बदलेगी तस्वीर**



धमतरी। महानदी के उद्गम स्थल सिहावा अंचल की धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहरों को नई पहचान दिलाने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। सिहावा को अमरकंटक की तर्ज पर प्रमुख धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए करीब 20 करोड़ रुपए की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी सिलसिले में मंगलवार को कलेक्टर अविनाश मिश्रा सिहावा पर्यटन दौरे पर पहुंचे। उन्होंने देवपुर स्थित राम वन गमन परिपथ से लेकर श्रृंगी ऋषि पर्वत और प्राचीन कर्णेश्वर महादेव मंदिर तक पहुंचकर पर्यटन विकास की संभावनाएं देखीं। वहीं पहली बार कलेक्टर के सिहावा पंचायत पहुंचने पर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि अब तक किसी कलेक्टर का पंचायत में आगमन नहीं हुआ था। कलेक्टर के सीधे गांव पहुंचने से उन्हें क्षेत्र के विकास की उम्मीद जगी है।कलेक्टर ने सबसे पहले देवपुर स्थित राम वन गमन परिपथ का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं और पर्यटन विकास की संभावनाओं का जायजा लिया। इसके बाद सिहावा के प्रसिद्ध श्रृंगी ऋषि पर्वत पहुंचे, जहां लगभग 400 सीढ़ियां चढ़कर महर्षि श्रृंगी ऋषि के दर्शन किए। तत्पश्चात प्राचीन कर्णेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में कर्णेश्वर महादेव ट्रस्ट एवं महानदी पर्यटन समिति के सदस्यों ने गुलाल तिलक लगाकर पारंपरिक एवं आत्मीय तरीके से कलेक्टर का स्वागत-सम्मान किया।

प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की अपार संभावनाएं

कलेक्टर ने कहा कि सिहावा अंचल में धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इन स्थलों को बेहतर स्वरूप देने के लिए प्रशासन के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पर्यटन समिति और ग्रामीणों का सहयोग भी जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और पर्यटन स्थलों को नई पहचान दिलाने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। बैठक में ग्रामीणों ने भी अपनी बात रखते हुए विकास कार्यों में हरसंभव सहयोग देने की सहमति जताई। ग्रामीणों ने कहा कि अब तक किसी कलेक्टर का पंचायत में आगमन नहीं हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

बस्तर में बिहान की पहल से किसानों को गांव में ही मिला मक्के का बेहतर दाम,

रायपुर। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और किसानों को बिचौलियों से मुक्ति दिलाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) की पहल बस्तर जिले में सकारात्मक परिणाम दे रही है। बकावंड और दरभा विकासखंड के किसानों को अब अपनी उपज बेचने के लिए मंडियों तक जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। किसान अपने गांव में ही मंडी दर से अधिक कीमत पर मक्का बेचकर लाभ प्राप्त कर रहे हैं। बिहान के तहत गठित किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से अब तक 3850 क्विंटल मक्के की सीधी खरीदी की गई है। इसमें बकावंड की लक्ष्य दीप महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और दरभा की मांजूर पांखी प्रोड्यूसर कंपनी ने उत्पादक समूहों से जुड़े किसानों से मक्का खरीदा। इसके बाद पूरी उपज स्थानीय व्यापारी सोमानी चंदन ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड को बेची गई। इस व्यवस्था से किसानों को परिवहन भाड़े और मंडी तक उपज ले जाने में होने वाले अतिरिक्त खर्च से राहत मिली है। साथ ही मंडी में इंतजार और अन्य औपचारिकताओं में लगने वाला समय भी बच रहा है। एफपीओ के माध्यम से गांव में ही खरीदी होने से किसानों को बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है और उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है। मक्का खरीदी में मिली सफलता के बाद दोनों कंपनियां अब किसानों को खेती के लिए आवश्यक खाद, बीज और कीटनाशक दवाइयां भी उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से कृषि विभाग के अधीन संस्था इफ्को से पीओएस मशीन उपलब्ध कराने की मांग की गई है। मशीन मिलने के बाद एफपीओ के जरिए किसानों को उचित दर पर कृषि सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। एफपीसी के पदाधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य किसानों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। इससे किसानों को एक ओर अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा, वहीं दूसरी ओर खेती के लिए जरूरी संसाधन भी एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगे। इस पूरी प्रक्रिया में बिहान के विकासखंड स्तरीय कर्मचारियों, एफपीसी के निदेशक मंडल, पीजी सदस्यों और स्थानीय किसानों की सक्रिय भागीदारी रही।

दंतेवाड़ा में बनेगी जनजातीय गौरव वाटिका, पारंपरिक मेला मड़ई के संरक्षण के निर्देश

रायपुर। जनजातीय समाज के महानायकों के संघर्ष, त्याग और बलिदान की गाथाओं से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से दंतेवाड़ा जिले में जनजातीय गौरव वाटिका विकसित की जाएगी। वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप ने मां दंतेश्वरी मंदिर परिसर स्थित मेंडका डोबरा मैदान में आयोजित जिला स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, जिससे नई पीढ़ी तक वीरों की गाथाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने देश की आजादी और संस्कृति की रक्षा के लिए हुए संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि 17 नवंबर 1913 को राजस्थान-गुजरात सीमा पर स्थित मानगढ़ पहाड़ी पर संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में हुए भील जनजातीय आंदोलन के दौरान ब्रिटिश सेना ने एकत्रित आदिवासियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसे मानगढ़ नरसंहार या आदिवासी जलियांवाला बाग कहा जाता है। इस घटना में लगभग 1,500 जनजातीय लोगों (महिलाओं, पुरुषों और बच्चों) के शहीद होने का उल्लेख मिलता है। साथ ही कोमाराम भीम, अल्लूरी सीताराम राजू और रानी कमलापति के योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि भोपाल रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति के नाम पर रखा जाना ऐतिहासिक विरासत का सम्मान है। जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण को लेकर श्री कश्यप ने निम्नलिखित निर्देश दिए। जनजातीय गौरव वाटिका दंतेवाड़ा में विकसित करने के लिए वन विभाग को कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मतदान से बड़ा कोई दान नहीं, एक वोट में छिपी है गांव से देश तक की तकदीर : अरुण सार्वा

रायपुर। नगर पंचायत करेली बड़ी में भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित दीपावली मिलन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा जी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और लोकतंत्र में मतदान के महत्व, जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी तथा विकास की अवधारणा पर अपने विचार रखे। अपने संबोधन में अरुण सार्वा जी ने कहा कि जीवन में दान का अपना विशेष महत्व है, लेकिन लोकतंत्र में मतदान से बड़ा कोई दान नहीं है। एक मत की ताकत इतनी बड़ी होती है कि वह केवल किसी जनप्रतिनिधि का चयन नहीं करती, बल्कि गांव, नगर, जिला, प्रदेश और पूरे देश की तकदीर और भविष्य की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने रिसाली को दी 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

नेवई,जोरातराई में मुक्तिधामों के उन्नयन के लिए 50 लाख की घोषणा

- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप शहरों को आर्थिक विकास के सशक्त केंद्र बना रही डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री
- केंद्र सरकार की योजनाओं और राज्य सरकार की मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से नगरीय विकास को मिल रही नई गति

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के शहरों को आर्थिक विकास, उद्योग, व्यापार और रोजगार के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं और राज्य सरकार की पहल से नगरीय क्षेत्रों में आधुनिक अधोसंरचना तथा नागरिक सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। डबल इंजन की सरकार का प्रयास है कि शहरों में रहने वाले प्रत्येक नागरिक को बेहतर आवास, स्वच्छ पेयजल, सुगम आवागमन और गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के नगर पालिक निगम रिसाली में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर 101 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। साथ ही क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, जल निकासी और मुक्तिधामों के उन्नयन के लिए महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश में नगरीय विकास को नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों को



पक्के मकान उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अमृत मिशन से शहरों में पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। स्वच्छ भारत मिशन ने शहरों में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता पैदा की है। पीएम स्वनिधि योजना से रेहड़ी-पटरी और छोटे कारोबारियों को आर्थिक संबल मिल रहा है, वहीं पीएम ई-बस सेवा के माध्यम से आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सोच है कि शहर केवल आबादी के केंद्र न रहें, बल्कि आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, उद्योग और रोजगार के नए अवसरों के केंद्र बनें। इसी दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ सरकार नगरीय क्षेत्रों के सुनियोजित विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश के शहरों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से मुख्य सड़कों, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, सार्वजनिक परिवहन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य केवल अधोसंरचना का निर्माण करना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन को अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाना है। राज्य के छोटे-बड़े सभी शहरों में विकास की समान गति सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। रिसाली नगर निगम क्षेत्र का समग्र विकास भी इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज रिसाली नगर निगम क्षेत्र में 101 करोड़ से अधिक की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया है। इनमें नगर निगम के अंतर्गत 29 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत के 22 कार्यों का भूमिपूजन तथा 39 करोड़ 56 लाख रुपए की लागत के दो कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

केंद्रीय जेल के 70 बंदियों को मिला कौशल प्रशिक्षण का प्रमाण-पत्र....

रायपुर/ संवाददाता

बंदियों के सुधार, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित 'निश्चय कार्यक्रम' के तहत केंद्रीय जेल रायपुर में 70 बंदियों को कौशल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इनमें 40 पुरुष बंदियों ने कंप्यूटर शिक्षा और 30 महिला बंदियों ने ब्यूटी पार्लर एवं हेयर ड्रेसिंग का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इस पहल का उद्देश्य बंदियों को रिहाई के बाद रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के जन शिक्षण संस्थान निदेशालय तथा जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत 40 पुरुष बंदियों को 'कोर्स ऑन कंप्यूटर कॉन्सेप्ट' और 30 महिला बंदियों को 'असिस्टेंट हेयर ड्रेसर (एडवांस)' के तहत ब्यूटी पार्लर संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जेल एवं सुधारात्मक सेवाएं, छत्तीसगढ़ के महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने प्रशिक्षण पूरा करने वाले बंदियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि जेलों में बंदियों को शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना सुधारात्मक प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। 'निश्चय कार्यक्रम' इसी दिशा में सार्थक पहल है। उन्होंने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इससे बंदियों में डिजिटल साक्षरता, तकनीकी दक्षता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। वहीं, महिला बंदियों को ब्यूटी पार्लर एवं हेयर ड्रेसिंग का प्रशिक्षण मिलने से वे रिहाई के बाद स्वरोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जन शिक्षण संस्थान रायपुर के अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ठाकुर राम सिंह ने प्रशिक्षित बंदियों को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा और कौशल विकास व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के साथ जीवन में नई संभावनाओं के द्वार खोलते हैं।

स्वास्थ्य व्यवस्था की खुली पोल : सड़क पर महिला ने दिया बच्चे को जन्म

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल तस्वीर सामने आई है। मीना बाजार के सामने एक गर्भवती महिला ने सड़क पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। बताया जा रहा है कि करीब एक घंटे तक 108 एंबुलेंस सेवा को फोन करने के बावजूद कोई मदद नहीं मिली। समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिलने के बीच नवजात ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मिली जानकारी के अनुसार, सूरजपुर के मीना बाजार के सामने एक महिला को प्रसव पीड़ा हुई। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने 108 एंबुलेंस सेवा को फोन कर मदद मांगी। बताया जा रहा है कि करीब एक घंटे तक इंतजार करने के बाद भी एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची। इसी बीच महिला ने सड़क पर ही बच्चे को जन्म दिया।

किसानों के संघर्ष को मिली बड़ी जीत

अब धान की बोरा भराई और तौलाई के नाम पर नहीं लिया जाएगा पैसा

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर द्वारा लगातार अनेक धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया गया, जिसके दौरान यह बात सामने आई कि धान की बोरा भराई और तौलाई के नाम पर किसानों से पैसा लिया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान श्री चंद्राकर ने किसानों से स्पष्ट कहा था कि बोरा भराई और तौलाई के नाम पर किसी भी प्रकार की राशि नहीं देनी है और यदि व्यवस्था में शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो किसान हित में उग्र आंदोलन किया जाएगा। पूर्व विधायक की चेतावनी और किसानों की जागरूकता का



सकारात्मक परिणाम सामने आया है। अब उपायुक्त सहकारिता एवं उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं जिला महासमुंद द्वारा समस्त समितियों को आदेश जारी किया गया है। आदेश क्रमांक 1160 दिनांक 19 नवंबर 2026 में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 की धान खरीदी में किसानों से धान की बोरा भराई एवं बोरा तौलाई हेतु समिति एवं हमालों के द्वारा पैसा नहीं लिया जाए, यह सुनिश्चित किया जाए। आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि शासन द्वारा समितियों को किसानों के द्वारा विक्रय के लिए लाए गए धान की बोरा भराई और बोरा तौलाई के लिए राशि प्रदान की जाती है, इसलिए किसानों से अलग से राशि की मांग करना अनुचित है। श्री चंद्राकर ने कहा कि उन्होंने किसान हित में प्रयास किया और किसानों की जागरूकता से ही शासन स्तर पर यह आदेश जारी हुआ है। उन्होंने अपील की है कि किसी भी समिति में किसानों को बोरा भराई और तौलाई के लिए राशि नहीं देनी है और साथ में मजदूर ले जाने की भी आवश्यकता नहीं है।

रायपुर में चोरी 1.95 लाख रूपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी हुई.....

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी में चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और मारपीट की घटनाओं के पांच मामले अलग-अलग थानों में दर्ज किए गए हैं। टिकरापारा क्षेत्र में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने नकदी और घरेलू सामान चोरी कर लिया। वहीं सिविल लाइन क्षेत्र में एक व्यक्ति के बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से करीब 1.95 लाख रुपये निकालकर धोखाधड़ी की गई। इसके अलावा मोवा में उधार के पैसों के लेन-देन को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट और तोड़फोड़ की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार, टिकरापारा थाना क्षेत्र के भाठापारा देवपुरी निवासी रिखबचंद्र नौरंग के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। 14 नवंबर की शाम मकान का ताला तोड़कर आरोपी अंदर घुसे और एक एलईडी टीवी, गैस सिलेंडर तथा आलमारी में रखे 1 लाख 20 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान और नकदी की कुल कीमत करीब 1 लाख 30 हजार रुपये बताई गई है। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। इसी तरह सिविल लाइन थाना क्षेत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जल विहार चौक के नाल रोड निवासी किशोर सोनी ने शिकायत की है कि अज्ञात व्यक्ति ने उनके बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 1 लाख 95 हजार 3 रुपये निकाल लिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। उधर, मोवा थाना क्षेत्र के सुंदरी पारा में उधार के पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद के बाद मारपीट के दो मामले दर्ज हुए हैं। पहली शिकायत कुमारी लाला छुरा ने की है। आरोप है कि 21 नवंबर को राजकुमार गोयल और एक अन्य व्यक्ति ने पैसों के विवाद में गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर चोट पहुंचाई। दूसरी ओर राजकुमार गोयल ने भी शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि कुमारी लाला छुरा और एक अन्य व्यक्ति ने विवाद के दौरान गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ-मुक्कों तथा डंडे से मारपीट की। साथ ही उनकी दुकान के कांच में तोड़फोड़ की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों पर अलग-अलग अपराध दर्ज किए हैं।

भाजपा पार्षद महिला के साथ आपत्तिजनक हाल में मिला,पति ने रंगे हाथ पकड़ा, थाने में लिखित शिकायत दी

रायपुर। सूरजपुर के भाजपा पार्षद एवं जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गर्ग द्वारा एक विवाहित महिला के घर देर रात मौजूद होना, अवैध संबंध बनाना और पकड़े जाने पर मुंह छिपाकर भाग जाने की बात सामने आई है। महिला के पति द्वारा पुलिस में लिखित शिकायत भी दी गई है। घटना का वीडियो और फोटो वायरल हो गए हैं। भाजपा नेता और महिला को उसके पति ने संदिग्ध हालत में पकड़ा था। फिलहाल पति की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है। मामला सूरजपुर का है और महिला के साथ पकड़ाने वाला भाजपा नेता वार्ड पार्षद है और जिला मीडिया प्रभारी भी है। सामने आए वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक भाजपा पार्षद मुकेश गर्ग मुंह पर कपड़ा डालकर महिला के घर से निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं, मौके पर महिला के पति और कुछ और लोग भी मौजूद हैं। हालांकि मुकेश गर्ग ने मौके से फरार होने की भी कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे धर दबोचा। महिला के पति ने बताया कि वह किसी काम से बाहर गया हुआ था इसी दौरान देर रात भाजपा पार्षद उनके घर पर आ गए।

बैडमिंटन में धैर्य, चपलता और एकाग्रता का विशेष महत्व : श्री अरुण साव



- 30 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के 250 खिलाड़ी दिखाएंगे दम, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज राजधानी रायपुर के मोवा स्थित आईस्पोर्ट्ज़ बैडमिंटन एरिना में छत्तीसगढ़ बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 5वीं मिनी राष्ट्रीय बैडमिंटन स्पर्धा का शुभारंभ किया। चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए श्री साव ने सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत परिचय प्राप्त किया और उनसे खेल से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि बैडमिंटन केवल शारीरिक क्षमता का खेल नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, चपलता, तेज नजर, पैरों की फुर्ती और तुरंत निर्णय लेने की क्षमता भी जरूरी होती है। इस खेल में प्रत्येक खिलाड़ी को पूरे अनुशासन और एकाग्रता के साथ खेलना पड़ता है। खेल के मैदान में मिलने वाली सीख जीवन में भी सफलता हासिल करने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि ऐसी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से खिलाड़ियों को देशभर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ खेलने और उनसे सीखने का अवसर मिलता है। यहां से खिलाड़ी नए अनुभव और बेहतर सीख लेकर जाएंगे। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। प्रदेश में खेल अधोसंरचना का विस्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में साय सरकार ने बैडमिंटन स्टेडियम के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं मिले और वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं। हाल ही में एशियन पैरा गेम्स-2026 में प्रदेश के श्री अभिजीत सखूजा ने पैरा बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने उनकी इस उपलब्धि पर 31 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। यह खिलाड़ियों की मेहनत और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने की दिशा में साय सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मंत्री अग्रवाल आयोजित मितानिन सम्मान समारोह में हुए शामिल

मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला जनसेवा में उनका योगदान अमूल्य.....

- मितानिन बहनों के समर्पण, सेवाभाव और नि:स्वार्थ योगदान की सराहना कर बढ़ाया उत्साह

रायपुर/संवाददाता

प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल आज सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत रामगढ़ में आयोजित मितानिन सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज सेवा के क्षेत्र में



नि:स्वार्थ भाव से कार्य करने वाली मितानिन बहनों के समर्पण, परिश्रम और सेवाभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता का लाभ पहुंचाने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मितानिन बहनें केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, बल्कि ग्रामीण समाज में सेवा, संवेदना और विश्वास की प्रतीक हैं। वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर माताओं, बहनों, बच्चों तथा जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं आवश्यक सहयोग प्रदान करती हैं। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं की देखभाल, सुरक्षित मातृत्व, संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन, बच्चों के टीकाकरण, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में उनका योगदान सराहनीय है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि मितानिन बहनें विपरीत परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ करती हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए उनका निरंतर प्रयास समाज के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संपादकीय

ट्रंप, जिनपिंग और पुतिन की मुलाकात, सहयोग के मोर्चे पर बड़ी चुनौतियां

तीनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं और इनके बीच किसी तरह के सैन्य टकराव के गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने पड़ सकते हैं।अमेरिका, चीन और रूस तीन ऐसे देश हैं, जिनकी नीतियां तथा फैसले पूरी दुनिया की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इन तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बीते गुरुवार को हुई बैठक को अंतरराष्ट्रीय समीकरणों और कूटनीति के लिहाज से एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया के संघर्ष, परमाणु हथियारों की होड़ और आर्थिक अस्थिरता जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रही है।

इस बैठक में संयुक्त राष्ट्र में सुधार, परमाणु जोखिम कम करने और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर बनाने जैसे मुद्दों पर सहमति बनना अपने आप में महत्त्वपूर्ण है। ये तीनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं और इनके बीच किसी तरह के सैन्य टकराव के गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने पड़ सकते हैं। इसके अलावा, वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने और संयुक्त राष्ट्र में सुधार समय की मांग है, लेकिन देखना होगा कि इन मुद्दों को लेकर धरातल पर कितनी प्रगति हो पाती है।इस ऐतिहासिक बैठक का एक अहम संदेश यह भी है कि वैश्विक शक्ति संतुलन को लेकर मतभेद रखने वाले शक्तिशाली राष्ट्र भी संवाद का रास्ता अपना सकते हैं।

मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और उसकी निर्णय प्रक्रिया को लेकर सवाल उठते रहे हैं। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में इस संस्था को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने की जरूरत है। इसके लिए सिर्फ घोषणा नहीं, बल्कि सदस्य देशों के हितों और समानता के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए ठोस कदम उठाने होंगे।

ऊर्जा आपूर्ति के क्षेत्र में सहयोग की सहमति का भी व्यापक महत्त्व है। वर्तमान में वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे में ऊर्जा उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने की दिशा में तीनों देशों का सहयोग अंतरराष्ट्रीय बाजार को स्थिरता देने में सहायक हो सकता है। मगर इस बैठक की असली सफलता तब साबित होगी, जब सहमति को ठोस नीतियों और कार्ययोजनाओं में बदला जाएगा। आज दुनिया को शक्ति प्रदर्शन और टकराव की नहीं, बल्कि सहयोग, विश्वास और शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की जरूरत है।

कांग्रेस का साथ- क्या अखिलेश के लिए बन सकता है सियासी जोखिम?

(आशीष कुमार)

सबसे बड़ा विवाद सीटों के बंटवारे पर है। ख़बरों के मुताबिक, कांग्रेस 150 से 200 सीटें मांगने की तैयारी में है और बात न बनने की सरत में सभी 403 सीटों पर लड़ने का विकल्प खुला रखेगी। अखिलेश यादव ने संकेत दिया कि मांग 200 से थोड़ी कम है। दूसरी ओर सपा सांसद शिवपाल सिंह पटेल 150 सीटों की मांग को खारिज कर 50 से 65 सीटें देने की बात कह चुके हैं, और कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम बराबरी की शर्तों पर ही गठबंधन की बात कर रहे हैं।



साल 2022 के चुनाव में कांग्रेस ने अकेले हुंकार भरी और 399 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। नतीजे में और सिर्फ़ दो सीट उसकी झोली में गिरी, जिसमें पहली सीट थी रामपुर खास और दूसरी सीट थी फरेंदा। अकेले दम ठोंक रही कांग्रेस का उस चुनाव में वोट शेयर करीब 2.3 फीसदी रहा, जो 2017 के 6.2 फीसदी से भी बहुत नीचे था। उत्तर प्रदेश में गठबंधन हमेशा दोधारी तलवार रहे हैं। साल 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और कांग्रेस फिर साथ चलने की बात कर रहे हैं, लेकिन सीटों के बंटवारे पर दोनों तरफ़ से आ रहे विरोधाभासी बयान बताते हैं कि रास्ता आसान नहीं है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव माहिर सियासी दांव चलते हुए कह चुके हैं कि गठबंधन जारी रहेगा और सीटें जिताऊ क्षमता देखकर तय होंगी। लेकिन मौजूदा हालात और पुराने इतिहास को देखें तो ऐसा लगता है कि कांग्रेस के साथ ये साझेदारी सपा के लिए फ़ायदे से ज़्यादा नुक़सान का सौदा बन सकती है, अगर इसे थोड़ा कड़े शब्दों में कहें तो आगामी विधानसभा चुनाव में सपा के लिए ये राजनीतिक आत्महत्या की तरह साबित हो सकता है और इस दावे को परखने के लिए बीते चुनावों के नतीजों पर पैनी नज़र डालना ज़रूरी लगता है।

2017 साथ आने का नतीजा पड़ा था उलटा : साल 2017 में अखिलेश यादव और राहुल गांधी यूपी को ये साथ पसंद है के नारे के साथ पूरे दमखम से उतरे थे, लेकिन नतीजे इसके उलट रहे। बीजेपी ने 40.44 फीसदी वोट हासिल करते हुए 312 सीटें अपने नाम कीं (सहयोगियों समेत 325) और सत्ता पर काबिज हुई, जबकि सपा-कांग्रेस गठबंधन को कुल 54 सीटें मिलीं। कांग्रेस को लगभग 6.2 फीसदी वोट मिले और 7 सीटें मिलीं और सपा को करीब 22.25 फीसदी वोट के साथ 47 सीटें मिली थीं। गौर से देखें तो ये कांग्रेस का 1977 के बाद का सबसे खराब प्रदर्शन और सपा का अपने इतिहास का सबसे कमज़ोर साबित हुआ था।साल 2017 के चुनाव में सपा ने 311 सीटों पर किस्मत आजमाई थी और कांग्रेस को लड़ने के लिए सौ से ज्यादा यानी 114 सीटें दी थी, जिनमें कई ऐसी सीटें थीं, जहां अखिलेश के उम्मीदवार भाजपा को बेहतर टक्कर दे सकते थे। मजे की बात ये है कि कुछ ऐसी सीटें भी थीं, जिन पर दोस्ताना लड़ाई के नाम पर दोनों दलों के उम्मीदवार एक-दूसरे के खिलाफ़ भी लड़े, जिससे मतदाताओं के बीच सपा-कांग्रेस गठबंधन की साख को खासी चोट पहुंची और इस पूरे प्रकरण में घाटा सिर्फ सपा को हुआ, जिसने कांग्रेस के साथ साझेदारी की कीमत सीटों की हार के रूप में चुकाई क्योंकि उसे राहुल गांधी के पार्टी का वोट ट्रांसफर नहीं हुआ क्योंकि कड़वी सच्चाई ये है कि यूपी में कांग्रेस हाशिये पर खड़ी पार्टी है।

2022 अकेली कांग्रेस की असली हैसियत : साल 2022 के चुनाव में कांग्रेस ने अकेले हुंकार भरी और 399 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। नतीजे में और सिर्फ़ दो सीट उसकी झोली में गिरी, जिसमें पहली सीट थी रामपुर खास और दूसरी सीट थी फरेंदा। अकेले दम ठोंक रही कांग्रेस का उस चुनाव में वोट शेयर करीब 2.3 फीसदी रहा, जो 2017 के 6.2 फीसदी से भी बहुत नीचे था।रामपुर खास कांग्रेस के धुरंधर नेता प्रमोद तिवारी का गढ़ है और उनके बदौलत उनकी बेटी आराधना मिश्रा भाजपा के नागेश प्रताप सिंह को 14 हजार से ज्यादा वोटों से हराकर विधानसभा में पहुंचीं, वहीं फरेंदा की बात करें तो पार्टी प्रत्याशी वीरेंद्र चौधरी भाजपा के बजरंग बहादुर सिंह को महज़ 1,087 वोटों से हरा पाए। दोनों सीट पर मिली जीत पार्टी से ज्यादा उम्मीदवारों की निजी पकड़ का नतीजा रहीं। इसी चुनाव में सपा ने 347 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 111 सीटें और 32.60 फीसदी वोट हासिल किए, जबकि बीजेपी ने 376 सीटों पर दांव चला और 255 सीटों के साथ 41.99 फीसदी वोट अपनी झोली में किए। अब इन नतीजों को देखते हुए बड़ा सवाल ये उठता है कि जिस कांग्रेस पार्टी का राज्यव्यापी वोट शेयर 2.4 फीसदी है, वो सपा को आखिर कितने वोट ट्रांसफ़र करा पाएगी?

गांधी परिवार के गढ़ में कांग्रेस- अमेठी और रायबरेली का आईना : यूपी में गांधी परिवार के संसदीय क्षेत्र अमेठी और रायबरेली कांग्रेस की सबसे मज़बूत ज़मीन माने जाते हैं, इसलिए वहां का विधानसभा प्रदर्शन पार्टी की असली ताकत का पैमाना माना जा सकता है। साल 2022 में दोनों क्षेत्रों की दस विधानसभा सीटों में कांग्रेस एक भी नहीं जीत पाई। साल 2017 में उसके पास दो सीटें थीं, रायबरेली सदर और हरचंदपुर, यानी 2017 से 2022 आते-आते आंकड़े दो से शून्य पर आ गए थे। वे दो जीतें भी उम्मीदवारों की निजी पकड़ का नतीजा थीं। रायबरेली सदर से पांच बार के विधायक रहे दिवंगत अखिलेश सिंह की बेटी अदिति सिंह ने तो कमल खिलाया, लेकिन हरचंदपुर से राकेश सिंह, जो कांग्रेस से बगावत करके बीजेपी में चले गए और उसी के टिकट पर लड़े, भाजपा से बगावत करके सपा में गए राहुल राजपूत (लोधी) से हार गए।अमेठी में तस्वीर और कमज़ोर रही। अमेठी सीट पर सपा की महाराजी प्रजापति 18,096 वोटों से जीतीं, दूसरे नंबर पर भाजपा के संजय सिन्हा रहे जबकि तीसरे नंबर पर कांग्रेस के आशीष शुक्ला को सिर्फ़ 14,080 वोट, यानी करीब 7.4 फीसदी वोट मिले। तिलोई में भी कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप सिंघला 10.8 फीसदी वोट लेकर तीसरे नंबर पर थे। अमेठी-रायबरेली की सीटों पर जीती हुई सीटों का बंटवारा कुछ ऐसा रहा- बीजेपी ने तिलोई, जगदीशपुर, रायबरेली और सलोन जीतीं, जबकि सपा ने गौरीगंज, अमेठी, बछरावां, हरचंदपुर, सरेनी और ऊंचाहार की सीटों पर अपना परचम लहराया और कांग्रेस के खाते में उसके अपने गढ़ में आंकड़ा शून्य रहा।इसका मतलब साफ़ है कि कांग्रेस यूपी में जिसे अपना किला कहती है, वहां विधानसभा स्तर पर वो सपा के आगे कुछ नहीं है। मुलायम सिंह के जमाने से लोकसभा चुनाव में सपा आमतौर पर गांधी परिवार के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारती है तो इसका मतलब साफ़ है कि जो पार्टी अपने गढ़ में सपा के अघोषित संगठन के सहारे सांसें गिन रही हो, वो बाकी प्रदेश में सपा को क्या दे पाएगी? और तस्वीर का एक और दिलचस्प पहलू है कि अक्टूबर 2026 में अमेठी के एक कार्यक्रम में सपा के बागी विधायक राकेश प्रताप सिंह (गौरीगंज) समेत तीन विधायक भगवा पाले में चले गए हैं। यानी जिस ज़मीन पर सपा-कांग्रेस की साझा उम्मीदें टिकी हैं, वहां भाजपा की सेंधमारी भी काफी जमकर हो रही है।

2024 का तर्क और उसकी सीमाएं : विधानसभा चुनाव के लिए होने वाले गठबंधन के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क 2024 के लोकसभा के चुनावी नतीजों को दिया जा रहा है, जिसमें सपा ने 37 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीतीं। दोनों का संयुक्त वोट 43.37 फीसदी रहा, जो बीजेपी के 41.67 फीसदी से ज्यादा था। मगर इस मामले में एक बात ध्यान में रखना चाहिए कि हमेशा से लोकसभा और विधा-नसभा के समीकरण अलग-अलग होते हैं। कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 17 सीटों पर लड़कर 6 जीतीं, यानी उसे सीमित और चुनी हुई सीटें मिली थीं। प्रयागराज और सीतापुर में सपा के पूर्व नेता कांग्रेस के टिकट पर जीते, यानी कांग्रेस की कामयाबी में सपा से आए चेहरों की भी भूमिका रही। और आज विधानसभा में कांग्रेस के पास सिर्फ़ दो विधायक हैं, जबकि सपा के पास 108 विधायक (कई विधायकों ने पाला बदला, कई विधायकों का निधन हो गया) शेष हैं।

सीटों का गणित जहां फंस सकते हैं अखिलेश : सबसे बड़ा विवाद सीटों के बंटवारे पर है। खबरों के मुताबिक, कांग्रेस 150 से 200 सीटें मांगने की तैयारी में है और बात न बनने की सरत में सभी 403 सीटों पर लड़ने का विकल्प खुला रखेगी। अखिलेश यादव ने संकेत दिया कि मांग 200 से थोड़ी कम है। दूसरी ओर सपा सांसद शिवपाल सिंह पटेल 150 सीटों की मांग को खारिज कर 50 से 65 सीटें देने की बात कह चुके हैं, और कांग्रेस के नए प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम बराबरी की शर्तों पर ही गठबंधन की बात कर रहे हैं।सीटों की मांग का यही चक्रव्यूह है, जहां अखिलेश के लिए दोनों तरफ से फंसने वाली स्थिति है। विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 202 है और 2022 में सपा खुद 111 पर थी। ऐसे में कमज़ोर संगठन वाली कांग्रेस के खाते में गई एक-एक सीट सपा की संभावित जीत में कटौती होगी और सीटों की बड़ी मांग मानना 2017 की गलती दोहराने जैसा होगा। अगर वे इनकार करते हैं तो कांग्रेस के अकेले लड़ने से विपक्ष के वोट बंटने और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ने का खतरा भी है।

अखिलेश का कांग्रेस पर परोक्ष वार और गठबंधन की बेचैनी : अखिलेश यादव ने अब तक गठबंधन तोड़ने की बात नहीं की है और कई बार इसे जारी रखने का संकेत दिया है। लेकिन मई 2026 में उन्होंने कांग्रेस पर परोक्ष हमला ज़रूर किया। तमिलनाडु में डीएमके की हार के बाद कांग्रेस ने उससे नाता तोड़कर विजय की टीवीके को समर्थन देने का फ़ैसला किया। अगले ही दिन अखिलेश ने एक्स पर ममता बनर्जी और एम.के. स्टालिन के साथ अपनी तस्वीरें डालकर लिखा- हम वो नहीं, जो मुश्किलों में साथ छोड़ दें। उन्होंने कांग्रेस का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारा निश्चित रूप से कांग्रेस पर ही था।अखिलेश का ये बयान कहीं न कहीं कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल है कि जो पार्टी हार के बाद दक्षिण भारत में दशक पुराने सहयोगी डीएमके को छोड़ सकती है, उस पर यूपी में कितना भरोसा किया जाए? हालांकि तकरार सिर्फ़ इशारों तक सीमित नहीं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कथित तौर पर कहा था कि पार्टी भिखारी नहीं है जो सपा से सीटें मांगे।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

मनुष्य की जरूरतें भी पूरी हों और प्रकृति भी बचे, सामूहिक भागीदारी से यह संभव

(कुमार सिद्धार्थ)

हम जिस दौर में जी रहे हैं, उसमें समस्याओं की कमी नहीं है। जलवायु परिवर्तन, पानी का संकट, प्रदूषण, खेती पर बढ़ता दबाव और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमारे जीवन को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकारों से अपेक्षा स्वाभाविक है, क्योंकि नीतियां बनाने, संसाधन जुटाने और बड़े स्तर पर बदलाव लाने की जिम्मेदारी सरकारों की है। मगर क्या अपने जीवन और भविष्य को बेहतर बनाने की पहल हम स्वयं भी नहीं कर सकते?

स्वशासन का अर्थ केवल राजनीतिक सत्ता का विकेंद्रीकरण या स्थानीय निकायों को अधिकार देना नहीं है। इसका व्यापक अर्थ है अपने जीवन से जुड़े फैसलों में सक्रिय भागीदारी, सामूहिक जिम्मेदारी और अपने संसाधनों के उपयोग पर समुदाय का विवेकपूर्ण नियंत्रण। लोकतंत्र तभी जीवंत होता है, जब नागरिक मतदान करने के बाद पांच साल तक दर्शक बनकर नहीं रहते, बल्कि अपने आसपास की दुनिया को बेहतर बनाने में निरंतर भागीदारी करते हैं। विडंबना यह है कि आधुनिक विकास की चमक के बीच हमने धीरे-धीरे अपने जीवन से जुड़े अनेक फैसले बाजार, बड़ी कंपनियों और सत्ता के विभिन्न केंद्रों के हवाले कर दिए हैं।हम क्या खाएं, पानी कहां से आए, ऊर्जा की जरूरत कैसे पूरी हो और विकास के नाम पर प्रकृति के साथ कैसा व्यवहार किया जाए, इन सवालों पर स्थानीय समुदायों की आवाज अक्सर कमजोर पड़ जाती है। विकास की मौजूदा अवधारणा ने आर्थिक वृद्धि को प्रगति का पर्याय बना दिया है, लेकिन अगर इसके साथ नदियां प्रदूषित हों, भूजल नीचे जाए, जंगल सिकुड़ें और लोगों का जीवन असुरक्षित हो, तो इस प्रगति की कसौटी पर फिर से विचार करना जरूरी है।

दरअसल, हमने मान लिया है कि दुनिया जिस तरह चल रही है, उसे उसी तरह चलना है। बड़ी परियोजनाएं बनेंगी, संसाधनों का दोहन होगा और नुकसान होने पर उसकी भरपाई के लिए कुछ योजनाएं शुरू कर दी जाएंगी। इस सोच में यह सवाल पीछे छूट जाता है कि क्या विकास का कोई दूसरा रास्ता भी हो सकता है? क्या ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है, जिसमें मनुष्य की जरूरतें पूरी हों, लेकिन प्रकृति की जीवनदायी क्षमता नष्ट न हो? किसी भी बदलाव की शुरुआत इस विश्वास से होती है कि विकल्प संभव हैं।

जब समाज यह मान लेता है कि मौजूदा व्यवस्था के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है, तब उसकी सामूहिक शक्ति कमजोर पड़ने लगती है। इसके उलट, जब लोग अपनी समस्याओं के समाधान की कल्पना करने और उन्हें व्यवहार में उतारने लगते हैं, तब बदलाव की संभावनाएं पैदा होती हैं। यह बदलाव केवल नारों और घोषणाओं से नहीं आता। इसके लिए लोगों को साथ बैठना, संवाद करना, असहमतियों को सुनना और मिलकर काम करना पड़ता है।

किसी बड़े सामाजिक परिवर्तन के लिए केवल आंकड़े और तर्क पर्याप्त नहीं होते। वे समस्या की गंभीरता समझा सकते हैं, लेकिन लोगों को लंबे समय तक सक्रिय बनाए रखने के लिए संवेदना, कल्पनाशीलता और सामूहिक अनुभव भी जरूरी हैं। इस दृष्टि से गांवों और शहरों में होने वाली छोटी-छोटी पहलें भी महत्त्वपूर्ण हैं। किसी गांव में लोग मिलकर तालाब को पुनर्जीवित करने का निर्णय लेते हैं, तो कोई समुदाय वर्षा जल को सहेजने की व्यवस्था करता है। ऐसी पहल लोगों के बीच सहयोग, विश्वास और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना भी पैदा करती हैं। हालांकि, सामुदायिक पहल का अर्थ यह नहीं कि सरकार अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त हो जाए। स्थानीय समुदायों को निर्णय लेने का अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन इसके लिए उन्हें पर्याप्त संसाधन, जानकारी और संस्थागत सहयोग भी चाहिए। नागरिक भागीदारी जरूरी है, लेकिन उसे सार्वजनिक संस्थाओं की जवाबदेही का विकल्प नहीं बनाया जा सकता।

मनुष्य स्वयं को अक्सर प्रकृति का स्वामी समझता रहा है, जबकि उसका अस्तित्व मिट्टी, पानी, हवा, वनस्पतियों और असंख्य जीवों के साथ गहरे संबंधों पर निर्भर है। यह समझ जितनी सहज लगती है, आधुनिक जीवन में उतनी ही उपेक्षित दिखाई देती है। अगर हम स्वयं को जीव-जगत का हिस्सा मानें, तो विकास और समृद्धि के अर्थ भी बदलेंगे। तब सवाल केवल यह नहीं होगा कि हम कितना उत्पादन कर सकते हैं, बल्कि यह भी होगा कि हमारी जीवनशैली पृथ्वी की सीमाओं के अनुरूप है या नहीं।

स्वशासन दरअसल समानता, पारदर्शिता और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता भी मांगता है। अगर समुदाय के भीतर महिलाओं, वंचित समूहों और कमजोर तबकों की आवाज को जगह नहीं मिलती, तो विकेंद्रीकरण के बावजूद सत्ता कुछ लोगों के हाथों में सिमट सकती है। इसलिए जरूरत ऐसी सामूहिक संस्कृति की है, जिसमें सहानुभूति, विनम्रता और मितव्ययिता को महत्व मिले।

सहानुभूति हमें दूसरों के दुख और जरूरतों को समझना सिखाती है। विनम्रता यह याद दिलाती है कि मनुष्य का ज्ञान और नियंत्रण सीमित है। मितव्ययिता हमें अपनी जरूरतों और उपभोग पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है। ये गुण केवल व्यक्तिगत जीवन को बेहतर नहीं बनाते, बल्कि समाज और प्रकृति के बीच संतुलित संबंध बनाने में भी मदद करते हैं।

लोकतंत्र की असली शक्ति इसी साझेपन में है। जब लोग अपने आसपास की समस्याओं को अपनी जिम्मेदारी मानते हैं, तब समाज केवल शिकायत करने वालों की भीड़ नहीं रहता, बल्कि अपने भविष्य का निर्माण करने वाला समुदाय बनता है। शायद यही स्वशासन का सबसे महत्त्वपूर्ण अर्थ है अपने हिस्से की दुनिया को बदलने की पहल करना और दूसरों के साथ मिलकर उसे बेहतर बनाना।

अमेरिका पर निर्भरता घटाकर क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाए भारत

इसके बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापक व्यापारिक संबंध है। डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की शिखर वार्ताओं से साफ है कि ये दोनों देश राष्ट्रीय हितों की कूटनीति पर काम करते हैं। नियंत्रण एवं संतुलन पर आधारित यह कूटनीति भारत को आशंकित करने के लिए पर्याप्त है। वहीं, जापान और चीन के संबंध परस्पर आर्थिक निर्भरता के बावजूद गहरे रणनीतिक तनाव से प्रभावित हैं। पूर्वी चीन सागर में सेनकाकू द्वीपों को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद है।

(ब्रह्मदीप अलूने)



भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ सहयोग महत्त्वपूर्ण है, लेकिन चीन से मुकाबले के लिए पूरी तरह अमेरिकी रणनीतिक समर्थन पर निर्भर रहना भारत के दीर्घकालीन हितों के अनुकूल नहीं होगा। बदलती वैश्विक राजनीति और महाशक्ति बनने की प्रतिस्पर्धा के दौर में किसी देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा एवं प्रभाव उसकी क्षेत्रीय कूटनीति की मजबूती से भी तय होते हैं। क्षेत्रीय शांति, सहयोग और आपसी विश्वास का सीधा असर वैश्विक व्यापार, सुरक्षा एवं शक्ति संतुलन पर पड़ता है। चीन की बढ़ती सामरिक और आर्थिक शक्ति तथा अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में उभरते अविश्वास ने भारतीय विदेश नीति के सामने नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए किसी एक बड़ी शक्ति पर निर्भर रहने के बजाय क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करे। क्वाड ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत को सहयोग का एक महत्वपूर्ण मंच दिया है, लेकिन इससे अधिक प्रभावी और व्यापक क्षेत्रीय सहयोग की नई व्यवस्था विकसित करने पर भारत को गंभीरता से विचार करना चाहिए। व्यापार, रक्षा उत्पादन, ऊर्जा, तकनीक और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में ऐसे सहयोग तंत्र विकसित करने जरूरी हैं, जिनमें क्षेत्रीय देशों की सक्रिय भागीदारी हो। दरअसल, भारत की चुनौती चीन से संतुलित संबंधों के अलावा अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाने की भी है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश की राजनीतिक परिस्थितियां जटिल हो गई हैं। भारत में शरण लेने वाली शेख हसीना अपने देश लौटना चाहती हैं, भारत भी उन्हें भेजना चाहता है। मगर मानवीय आधार पर कानूनी शर्तों और पेचीदगियों का असर भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित कर रहा है। भारत के लिए बांग्लादेश राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, पूर्वोत्तर के संपर्क, समुद्री हितों और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दोनों देशों के बीच संबंधों में उतार-चढ़ाव का प्रभाव व्यापार और कूटनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि भारत की आंतरिक सुरक्षा और व्यापक विदेश नीति को भी प्रभावित करता है। इसलिए भारत के लिए बांग्लादेश के साथ संबंधों को आपसी विश्वास, समानता, सुरक्षा सहयोग और साझा आर्थिक हितों के आधार पर आगे बढ़ाना आवश्यक है। मनीला में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत ने क्वाड को एक विश्वसनीय साझेदार एवं समाधान प्रदान करने वाला संगठन बताया। आमतौर पर यह माना जाता है कि चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक गतिविधियों के बीच क्वाड क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बनाए रखने का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। मगर कूटनीतिक और सामरिक स्तर पर क्वाड अमेरिकी हितों से प्रभावित समूह नजर आता है। क्वाड के चारों देशों भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के चीन के साथ संबंध अलग-अलग परिस्थितियों से प्रभावित हैं। भारत की चिंता सीमा और क्षेत्रीय सुरक्षा है, अमेरिका की वैश्विक शक्ति एवं तकनीकी प्रतिस्पर्धा, जापान की क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री विवाद, जबकि आस्ट्रेलिया की चुनौती आर्थिक निर्भरता एवं सामरिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना है।

अमेरिका और चीन के संबंध वर्तमान वैश्विक राजनीति की सबसे महत्त्वपूर्ण रणनीतिक प्रतिस्पर्धाओं में शामिल हैं। दोनों देश व्यापार, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर तथा सैन्य शक्ति के क्षेत्र में एक-दूसरे को चुनौती देते हैं। ताइवान और दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां तथा अमेरिकी हिंद-प्रशांत नीति दोनों के बीच तनाव के प्रमुख कारण हैं। चीन के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को अमेरिका संतुलित करना चाहता है, जबकि चीन अमेरिकी हस्तक्षेप का विरोध करता है। इसके बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापक व्यापारिक संबंध है। डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की शिखर वार्ताओं से साफ है कि ये दोनों देश राष्ट्रीय हितों की कूटनीति पर काम करते हैं। नियंत्रण एवं संतुलन पर आधारित यह कूटनीति भारत को आशंकित करने के लिए पर्याप्त है। वहीं, जापान और चीन के संबंध परस्पर आर्थिक निर्भरता के बावजूद गहरे रणनीतिक तनाव से प्रभावित हैं। पूर्वी चीन सागर में सेनकाकू द्वीपों को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद है। चीन की बढ़ती नौसैनिक गतिविधियां और ताइवान के प्रति उसका रुख जापान की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाते हैं। जापान, अमेरिका के साथ अपनी सुरक्षा साझेदारी मजबूत कर रहा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के एकतरफा प्रभाव का विरोध करता है। दूसरी ओर, जापान की बढ़ती सैन्य सक्रियता को चीन संदेहकी नजर से देखता है। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक गतिविधियां आस्ट्रेलिया की सुरक्षा चिंताओं को भी बढ़ाती हैं। आस्ट्रेलिया ने अमेरिका और ब्रिटेन के साथ 'आकस' सुरक्षा साझेदारी की है तथा वह क्वाड में भी सक्रिय भूमिका निभाता है। चीन, भारत के लिए सीमा सुरक्षा, सामरिक प्रतिस्पर्धा और आर्थिक निर्भरता के लिहाज से एक बड़ी चुनौती है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर विवाद और पाकिस्तान के साथ उसकी सैन्य साझेदारी भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ाती हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अविश्वसनीय कूटनीति और बदलते वैश्विक परिदृश्य में अमेरिकी हितों से अलग होकर भारत, जापान और आस्ट्रेलिया को आगे की ओर देखने की जरूरत है। इन तीनों देशों की चुनौतियां मुख्य रूप से क्षेत्रीय सुरक्षा, समुद्री मार्गों और चीन की बढ़ती सामरिक शक्ति से जुड़ी हैं, जबकि अमेरिका के हित इससे कहीं व्यापक हैं। वह अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवागमन, ताइवान की सुरक्षा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना रणनीतिक प्रभाव बनाए रखना चाहता है। इन उद्देश्यों में भारत, जापान और आस्ट्रेलिया के हितों की समानता है, लेकिन उनकी प्राथमिकताएं पूरी तरह एक जैसी नहीं हैं। इसलिए इन देशों को अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए अमेरिकी रणनीति पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय स्वतंत्र क्षेत्रीय सहयोग विकसित करने की जरूरत है। भारत की विदेश नीति में अमेरिका के साथ सहयोग महत्त्वपूर्ण है, लेकिन चीन से मुकाबले के लिए पूरी तरह अमेरिकी रणनीतिक समर्थन पर निर्भर रहना भारत के दीर्घकालीन हितों के अनुकूल नहीं होगा। अमेरिका की अपनी वैश्विक प्राथमिकताएं और राजनीतिक परिस्थितियां हैं। इसलिए भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जापान, आस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के साथ स्वतंत्र क्षेत्रीय सहयोग का मजबूत ढांचा विकसित करना चाहिए। यह सहयोग चीन के विरुद्ध सैन्य गठबंधन बनाने के स्थान पर आर्थिक क्षमता, समुद्री सुरक्षा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर आधारित होना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)



पूर्व मंत्री शिव डहरिया एक दिवसीय प्रवास पर

बिलाईगढ़। पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया रविवार को बिलाईगढ़ विधानसभा पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार आत्मीय स्वागत किया। प्राप्त समाचार के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ शिवकुमार डहरिया गत रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर बिलाईगढ़ विधानसभा पहुंचे। वे भटगांव के वरिष्ठ कांग्रेसी प्रवेश दुबे के यहां आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में साथियों सहित शामिल होकर कथा श्रवण किया एवं कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। इसके पूर्व डॉ शिवकुमार डहरिया ग्राम नवापारा में मिथलेश लहरे के यहां षष्ठी कार्यक्रम में शामिल हुए तथा पंडरीपानी के पूर्व सरपंच इतवारी साहू के यहां कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात किया इस दरमियान कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने अपनी व्यथा बताते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को याद कर उनके द्वारा किसानों के हित में हुए अनेक कार्यों को गिनाया तथा वर्तमान में किसानों की कुस्थिति से अवगत कराया इस अवसर पर श्री डहरिया ने उपस्थित ग्राम वासियों एवं कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की किसान हितैसी सरकार बनाने का आह्वान किया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक कविता प्राण लहरे, जिला अध्यक्ष ताराचंद देवांगन, वरिष्ठ कांग्रेसी गोपाल पांडे ,विक्रम साहू, संदीप अग्रवाल, घनश्याम मनहर, राम शंकर साहू , रामनरायन भट्ट ,नल पटेल ,वीरेंद्र साहू ,बबलू खान , लंकेश्वर देवांगन, पीके घृत लहरे ,रोहित देवांगन ,मिथलेश लहरे, रामसाय बघेल, किशोर निराला, दिल हरण साहू, असारत खान ,लता जाटवर ,वीरेंद्र श्रीवास्तव, रतन बंजारे ,जागेश्वर लहरें ,इंदुभूषण परिवार ,चंद्रशेखर हिरवानी , पिरित लाल खटकर ,इतवारी साहू ,सहित सैकड़ो कार्यकर्ता , प्रबुद्ध नागरिक एवं लोग जन् मौजूद रहे ।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 5.90 लाख की ठगी, फरार आरोपी मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

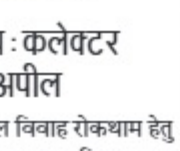
दुर्ग जिले के सुपेला थाना क्षेत्र का मामला

दुर्ग। जिले के सुपेला थाना क्षेत्र से संबंधित एक मामले में पुलिस ने आरोपी को मध्य प्रदेश के छतरपुर से गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला नौकरी दिलाने के नाम पर हुई कथित ठगी से जुड़ा है, जिसमें पूर्व में प्राथमिकी (FIR) दर्ज न होने पर पीड़ित पक्ष द्वारा न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जानकारी के अनुसार, पीड़ित पक्ष की ओर से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) के अंतर्गत न्यायालय में आवेदन दिया गया था। न्यायालय के आदेश के बाद सुपेला थाने में संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। ?विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मध्य प्रदेश के छतरपुर से गिरफ्तार किया है। मामले में आगे की वैधानिक प्रक्रिया और अग्रिम जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। प्रकरण में न्यायालयीन कार्यवाही के दौरान पीड़ित पक्ष की ओर से अधिवक्ता यश तिवारी, अधिवक्ता सोइबल गुप्ता, अधिवक्ता सुशांत मिश्र एवं अधिवक्ता आशीष जैन उपस्थित रहे।



बाल विवाह मुक्त बेमेतरा का लें संकल्प : कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिलेवासियों से की अपील

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने बाल विवाह रोकथाम हेतु बेमेतरा जिले के निवासियों के नाम संदेश जारी कर बाल विवाह मुक्त समाज बनाने का संकल्प लेने की अपील की है। कलेक्टर ने अपने संदेश में कहा है कि प्रिय बेमेतरा जिलेवासियों,बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि सामाजिक अभिशाप भी है। बाल विवाह से बच्चों का शारीरिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास अवरुद्ध होता है, बल्कि बाल अधिकारों का गंभीर हनन भी है। कलेक्टर ने कहा है कि बाल विवाह की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस दिवस का उद्देश्य बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना एवं इसके उन्मूलन हेतु सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। कलेक्टर सुश्री ममगाईं ने बेमेतरा जिले की जनता, समाजसेवियों, हितधारकों एवं जनप्रतिनिधियों से अपील की है कि छत्तीसगढ़ में बाल विवाह के पूर्णत: उन्मूलन के लिए 27 नवंबर 2026 को विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन करें। साथ ही स्कूलों, कॉलेजों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जन जागरूकता हेतु विशेष सघन गतिविधियों का आयोजन करें तथा इन कार्यक्रमों में बाल विवाह नहीं किये जाने तथा बाल विवाह का विरोध किये जाने की शपथ लें। आइए, संकल्प लें कि बाल विवाह की रोकथाम में हम सहभागी बनेंगे एवं बेमेतरा जिले को बाल विवाह मुक्त कर समाज के विकास में नया आयाम जोड़ेंगे।





कक्षा सातवीं के छात्र डीगेन्द्र सिन्हा ने किया कमाल, स्मार्ट चश्मा बनाकर दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

खैरागढ़ । नवगठित जिला प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज नहीं होती। यदि मन में कुछ नया करने का जुनून और समस्याओं का समाधान खोजने की लगन हो, तो छोटी उम्र में भी बड़े नवाचार किए जा सकते हैं। इसका उदाहरण खैरागढ़ के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दबका में कक्षा सातवीं में अध्ययनरत छात्र डीगेन्द्र सिन्हा ने पेश किया है। डीगेन्द्र ने अपनी वैज्ञानिक सोच और तकनीकी समझ का परिचय देते हुए एक ऐसा स्मार्ट चश्मा तैयार किया है, जो वाहन चालक को ड्राइविंग के दौरान नींद की झपकी आने पर तत्काल सतर्क करेगा। छात्र के इस अभिनव प्रयोग ने न केवल लोगों को प्रभावित किया, बल्कि वैज्ञानिक प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में वाहन चालकों को वाहन चलाते समय नींद आना भी शामिल है। कई बार कुछ सेकंड की झपकी गंभीर सड़क हादसे और जानलेवा दुर्घटना का कारण बन जाती है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए डीगेन्द्र ने स्मार्ट चश्मे का मॉडल तैयार किया है। इस चश्मे में सेंसर तकनीक का उपयोग किया गया है। जैसे ही चालक की आंखों में नींद अथवा झपकी के संकेत मिलते हैं, सेंसर सक्रिय होकर अलर्ट सिस्टम को चालू कर देता है। इसके बाद बजर बजने लगता है, जिससे चालक को तत्काल सतर्क होने का संकेत मिलता है। विशेष बात यह है कि यदि बजर बजने के बाद भी चालक सतर्क नहीं होता, तो इसमें पानी का फव्वारा छोड़ने की व्यवस्था भी की गई है।

बेमेतरा में गिरते भू-जल स्तर पर प्रशासन की किसानों से अपील, ग्रीष्म कालीन धान छोड़ कम पानी वाली दलहन-तिलहन फसलों को अपनाएं

बेमेतरा। जिले में गिरते भू-जल स्तर को नियंत्रित करने और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने किसानों से ग्रीष्मकालीन (रबी) धान की फसल नहीं लेने की अपील की है। प्रशासन ने किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली लाभकारी दलहन और तिलहन फसलों की खेती अपनाने की सलाह दी है। जिले की कृषि परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय मिट्टी एवं सिंचाई की उपलब्धता के आधार पर चना, मूंग, उड़द, मक्का, सूरजमुखी, तिल, सब्जियां, तरबूज एवं खरबूजा जैसी वैकल्पिक फसलें ली जा सकती हैं। अधिकारियों के अनुसार ग्रीष्मकालीन धान की फसल में अत्यधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे जिले के भू-जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है। भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन से गर्मी के दिनों में आम नागरिकों और मवेशियों के लिए पेयजल संकट गहराने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा लगातार एक ही फसल (धान) लेने से मिट्टी के पोषक तत्व घटते हैं और उत्पादन लागत भी बढ़ती है। चना, मूंग, उड़द, सरसों, तिल और सूरजमुखी



जैसी फसलों में धान की तुलना में काफी कम पानी लगता है। बाजार में इनकी अच्छी मांग के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की सुविधा होने से किसानों को बेहतर शुद्ध लाभ मिल सकता है। दलहनी फसलों की जड़ें वायुमंडल से नाइट्रोजन लेकर मिट्टी में स्थिर करती हैं, जिससे अगली फसल के लिए उर्वरक का खर्च कम होता है। किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत जिले की 21 सहकारी समितियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है। केंद्र सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2027-28 के लिए मसूर 7,390 रुपए, सरसों 6,613 रुपए और चना 5,958 रुपए प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की है।

दलहन-तिलहन से कम पानी में अधिक लाभ

चना, मूंग, उड़द, सरसों, तिल और सूरजमुखी जैसी फसलों में धान की तुलना में काफी कम पानी लगता है। बाजार में इनकी अच्छी मांग के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की सुविधा होने से किसानों को बेहतर शुद्ध लाभ मिल सकता है। दलहनी फसलों की जड़ें वायुमंडल से नाइट्रोजन लेकर मिट्टी में स्थिर करती हैं, जिससे अगली फसल के लिए उर्वरक का खर्च कम होता है।

21 समितियों में एमएसपी पर खरीदी की व्यवस्था

किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत जिले की 21 सहकारी समितियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था की गई है। केंद्र सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2027-28 के लिए मसूर 7,390 रुपए, सरसों 6,613 रुपए और चना 5,958 रुपए प्रति क्विंटल की दर निर्धारित की है।

बीज अनुदान व तकनीकी मार्गदर्शन

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि फसल विविधीकरण अपनाने वाले किसानों को शासन की योजनाओं में प्राथमिकता दी जा रही है और उन्नत किस्म के प्रमाणित बीजों पर विशेष अनुदान भी मिल रहा है। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र और मैदानी अमले द्वारा किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

प्रशासन ने किसानों से आग्रह किया है कि भविष्य के जल संकट को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन धान की बुवाई न करें। बीज और विस्तृत जानकारी के लिए क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी या विकासखंड कृषि कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

सहकारी समितियों के माध्यम से होगी कोदो, कुटकी एवं रागी फसलों की खरीदी

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) एवं राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा खरीफवर्ष 2026 में लघु धान्य मिलेट्स अन्न (कोदो, कुटकी एवं रागी) का उपार्जन की प्रक्रिया धान उपार्जन हेतु अपनाई जाने वाली प्रचलित व्यवस्था राशि की व्यवस्था तथा उपार्जन मात्रा का सुरक्षित रख-रखाव एवं उठाव किया जायेगा। जिले में उपार्जन केन्द्रों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति देवरबीजा, दाढ़ी, नवागढ़ एवं मऊ का चयन किया गया है। कोदो, कुटकी एवं रागी के उपार्जन हेतु कृषकों का पंजीयन एकीकृत किसान पोर्टल पर होने तथा रकबा सत्यापन एग्रीस्टेक एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे से होने की स्थिति में उपार्जन हेतु कृषकों की पात्रता निर्धारित करने तथा जिन क्षेत्रों में रकबे की पुष्टि हेतु डीसीएस डाटा उपलब्ध नहीं है वहां संबंधित फसल रकबे का सत्यापन राजस्व विभाग द्वारा गिरदावरी के माध्यम से किये जाने को भी पात्रता निर्धारण के लिए मान्य की जायेगी। खरीफ2026 में उत्पादित लघु धान्य फसलों की उपार्जित मात्रा पूर्व वर्ष की भाँति कोदो-3.50 क्विंटल प्रति एकड़, कुटकी-2 क्विंटल प्रति एकड़ एवं रागी-3.50 क्विंटल प्रति एकड़ क्रय किया जायेगा। लघु धान्य मिलेट्स कोदो, कुटकी एवं रागी का उपार्जन की निर्धारित अवधि 15 दिसम्बर 2026 से 15 फरवरी, 2027 तक किया जायेगा।

सबरिया डेरे पर पुलिस की दबिश : 95 लीटर महुआ शराब और 3 लाख की दो बाइक जब्त

जांजगीर-चांपा। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अकलतरा अनुभाग पुलिस ने मंगलवार तड़के ग्राम बड़े अमेरी के नाला किनारे स्थित सबरिया डेरे पर छापेमारी की। संयुक्त पुलिस टीम की इस कार्रवाई में मौके से 95 लीटर कच्ची महुआ शराब, शराब बनाने के उपकरण और दो महंगी मोटरसाइकिल समेत कुल 3 लाख 20 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया गया है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है, जबकि उसके दो फरार साथियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 24 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बड़े अमेरी नाला किनारे सबरिया समुदाय के कुछ लोग हाथ भट्टी से बड़े पैमाने पर अवैध महुआ शराब





अकलतरा के बड़े अमेरी नाला किनारे तड़के कार्रवाई

तैयार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन, एएसपी डॉ. युलैण्डन यार्क के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी अकलतरा डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में थाना अकलतरा, मुलमुला और पुलिस सहायता केंद्र कोटमी की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर दबिश दी। मौके पर बड़ा चूल्हा बनाकर तीन एल्यूमीनियम हांडियों के जरिए बेचने की नीयत से कच्ची शराब बनाई जा रही थी। पुलिस ने छह प्लास्टिक जरीकेन में भरी 95 लीटर महुआ शराब (कीमत 9,500 रुपये), 7 हजार रुपये का एक टुल्लू पंप, 3 हजार रुपये की तीन हांडियां व प्लास्टिक पाइप जब्त किए। इसके अलावा मौके से 3 लाख रुपये कीमत की दो मोटरसाइकिल (होंडा हॉर्नेट और पल्सर N250) भी बरामद की गईं। कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी बाबूलाल गौड़ (22) पिता धरम गौड़ निवासी बड़े अमेरी कोटमीसोनार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने इस अवैध कारोबार में आशीष गौड़ और राकेश गौड़ के भी शामिल होने की जानकारी दी है।

जिले के सभी अमृत सरोवरों पर 26 नवंबर को मनाया जाएगा संविधान दिवस

- **संविधान की प्रस्तावना का होगा सामूहिक वाचन, जल संरक्षण एवं स्वच्छता का लिया जाएगा संकल्प**



जांजगीर-चांपा। भारतीय संविधान को अंगीकृत किए जाने की स्मृति में जिले के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाएगा। कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार पोयाम के मार्गदर्शन में यह आयोजन होगा। इस संबंध में जनपद पंचायत सीईओ एवं कार्यक्रम अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में युवाओं, स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों, विकसित भारत-जी राम जी के श्रमिकों, स्व-सहायता समूहों तथा आजीविका दीदियों की सहभागिता रहेगी। इस दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों पर उद्बोधन तथा जल संरक्षण एवं स्वच्छता की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही अमृत सरोवरों के आसपास स्वच्छता अभियान, खरपतवार हटाने, गाद निकासी एवं पौधरोपण जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आयोजन के माध्यम से संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा एवं जनभागीदारी का संदेश दिया जाएगा।

अगहन मास का पहला गुरुवार आज ; घर-घर होगी मां महालक्ष्मी की विशेष पूजा

- **बीती शाम से ही आंगन में सजाए गए चावल के आटे से माता के पदचिह्न और चौक, 17 दिसंबर तक चार गुरुवार को मनाया जाएगा पर्व**



जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ की लोक-परंपरा और आस्था का प्रमुख पर्व अगहन गुरुवार आज 26 नवंबर को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। अगहन मास के पहले गुरुवार के अवसर पर सुबह से ही घर-घर में माता महालक्ष्मी की विशेष पूजा-अर्चना होगी। इस वर्ष अगहन मास में कुल चार गुरुवार पड़ रहे हैं—26 नवंबर, 3 दिसंबर, 10 दिसंबर और 17 दिसंबर को अंतिम गुरुवार के साथ पर्व का समापन होगा। पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है और इसकी तैयारियां बुधवार शाम से ही शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने घरों और आंगन की साफ-सफाई कर मुख्य द्वार से लेकर पूजा स्थल तक चावल के आटे के घोल से मां लक्ष्मी के पदचिह्न (पांव) बनाए हैं। इसके साथ ही आंगन में पारंपरिक 'सीता चौक' या 'लक्ष्मी चौक' सजाया गया है तथा पूजा स्थल को केले के पत्तों और आंवले की टहनियों से संवारा गया है।

निष्ठा से जुड़ी है पर्व की कथा-पौराणिक व लोक कथा के अनुसार, एक समय माता लक्ष्मी पृथ्वी भ्रमण पर निकलीं। जहां-जहां घरों में साफ-सफाई, शांति और श्रद्धा से स्वागत हुआ, माता ने वहां स्थायी वास किया और अन्न-धन का भंडार भर दिया। वहीं, जिस घर में आलस्य और गंदगी दिखी, वहां से माता लौट गईं।

पुलिस की आम नागरिकों से अपील : 'RTO ओवर स्पीडिंग चालान' के फर्जी SMS और संदिग्ध लिंक से रहें सावधान

बलौदा बाजार। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा जिले के नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी लिंक और साइबर अपराधों के प्रति निरंतर जागरूक किया जा रहा है। वर्तमान में साइबर अपराधियों द्वारा 'RTO चालान/ओवर स्पीडिंग चालान' के नाम पर फर्जी स्क्रू भेजकर नागरिकों को ठगने का एक नया तरीका अपनाया जा रहा है, जिसके प्रति बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने आमजन को विशेष रूप से सतर्क किया है। साइबर ठगों की नई कार्यप्रणाली हाल ही में सामने आए मामलों के अनुसार, आम नागरिकों के मोबाइल पर अनजान नंबरों या SMS/MMS के माध्यम से 'RTO Notice' या 'Over Speeding Challan' जारी होने का संदेश भेजा जा रहा है।

पीएम सूर्य घर योजना से चितालंका निवासी मनोज कुमार के घर रोशन, बिजली बिल से मिली राहत

- **5 किलोवाट का सोलर संयंत्र लगवाने पर मिली 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी, पिछले दो माह से शून्य आ रहा बिजली बिल**



दंतेवाड़ा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' आम नागरिकों को सौर ऊर्जा अपनाने और बिजली खर्च से राहत पाने का अवसर प्रदान कर रही है। योजना के माध्यम से जिले के लोग अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित कर बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहे हैं। इसका लाभ उठाकर चितालंका निवासी मनोज कुमार ने भी अपने घर में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराया है, जिससे उन्हें बिजली बिल में काफी राहत मिल रही है। मनोज कुमार ने बताया कि लगभग पांच माह पूर्व उन्होंने अपने घर में 5 किलोवाट क्षमता का सोलर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कराया। इस संयंत्र को लगाने में कुल 3 लाख 10 हजार रुपये की लागत आई। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से कुल 1 लाख 8 हजार रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई। इसमें केंद्र सरकार द्वारा 78 हजार रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। उन्होंने बताया कि सोलर संयंत्र स्थापित होने के बाद से उनके परिवार को बिजली खर्च में काफी राहत मिली है। पिछले दो माह से उनका बिजली बिल शून्य आ रहा है। इससे हर महीने होने वाले बिजली खर्च की बचत हो रही है और घरेलू बजट पर भी आर्थिक बोझ कम हुआ है। मनोज कुमार ने कहा कि सरकार की इस योजना से आम परिवारों को सौर ऊर्जा अपनाने का अच्छा अवसर मिल रहा है। एक ओर बिजली खर्च में बचत हो रही है, वहीं दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अन्य नागरिकों से भी योजना की जानकारी लेकर इसका लाभ उठाने की अपील की। पीएम सूर्य घर योजना के माध्यम से जिले में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ ही आम नागरिकों को बिजली खर्च में राहत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

किसानों की आय बढ़ाने मखाना खेती और दुग्ध व्यवसाय को मिलेगा प्रोत्साहन

पर्यटन, मखाना उत्पादन और दुग्ध व्यवसाय से संवरेगी नगरी-सिहावा की तस्वीर

राम वनगमन पथ, गणेश घाट और श्रृंगी ऋषि क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की कार्ययोजना

धमतरी। प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत और आजीविका की विविध संभावनाओं से समृद्ध नगरी-सिहावा अंचल को पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल तेज कर दी है। क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के साथ मखाना उत्पादन, दुग्ध व्यवसाय और ग्रामीण आजीविका के नए अवसर विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इन



गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग, किसानों एवं पशुपालकों की आमदनी में वृद्धि तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बीते मंगलवार को नगरी प्रवास के दौरान विभिन्न विकास कार्यों एवं प्रस्तावित गतिविधियों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और पशु सखियों से चर्चा कर विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने तथा स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने राम वनगमन पथ देवपुर में निर्माणाधीन कॉटेज एवं हॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नगरी-सिहावा अंचल में धार्मिक, प्राकृतिक और सांस्कृतिक पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। यहां बेहतर आवासीय एवं पर्यटक सुविधाएं विकसित होने से पर्यटकों का आगमन बढ़ेगा और उन्हें क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

100 एकड़ क्षेत्र के तालाबों में मखाना उत्पादन की संभावनाओं का निरीक्षण

किसानों की आय के स्रोतों में विविधता लाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने मखाना उत्पादन के लिए विकसित लगभग 100 एकड़ क्षेत्र के तालाबों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मखाना उत्पादन की वर्तमान गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों और खेती की संभावनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उपलब्ध जल संसाधनों का उपयोग पारंपरिक कृषि के साथ-साथ लाभकारी वैकल्पिक आजीविका गतिविधियों के लिए भी किया जा सकता है। मखाना उत्पादन को व्यवस्थित रूप से प्रोत्साहित करने से किसानों को खेती का एक नया विकल्प मिल सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन से जुड़ी गतिविधियों को भी बढ़ावा देने की संभावनाएं विकसित होंगी।

दुग्ध उत्पादन और संग्रहण के लिए बनेंगे लगभग 10 केंद्र

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए दुग्ध व्यवसाय को संगठित रूप से विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। नगरी रेस्ट हाउस में कलेक्टर श्री मिश्रा ने विकासखंड की पशु सखियों की बैठक लेकर दुग्ध उत्पादन, पशुपालकों के पंजीयन और दुग्ध संग्रहण व्यवस्था की समीक्षा की।

संक्षिप्त समाचार

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने जन्मदिन पर मां महामाया मंदिर में की पूजा-अर्चना, वृद्धाश्रम और शिशुगृह पहुंचकर बांटी खुशियां



बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज अपने जन्मदिन पर रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर, श्री सिद्धि विनायक मंदिर एवं भैरो बाबा मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने बिलासपुर के कल्याण कुंज वृद्धाश्रम पहुंचकर वरिष्ठजनों से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने कुदुदंड स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित 'मातृ छाया' शिशुगृह पहुंचकर बच्चों के साथ खुशियां साझा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कल्याण कुंज वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों का कुशलक्षेम जाना। उन्हें गर्म कपड़े एवं फ्ल वितरित किए। उन्होंने बुजुर्गों के साथ समय बिताया और उनका स्नेहपूर्ण आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री साव ने कुदुदंड स्थित 'मातृ छाया' शिशुगृह पहुंचकर बच्चों के बीच समय बिताया और सेवा कार्यों में सहभागिता की।

उमरिया एवं शहडोल स्टेशन में पेंशनर्स के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित



बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेल, बिलासपुर मंडल द्वारा पेंशनभोगियों की सुविधा एवं डिजिटल सेवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ष्ठस्ट अभियान 5.0 के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 23 नवम्बर 2026 को उमरिया स्टेशन तथा 25 नवम्बर 2026 को शहडोल स्टेशन में सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविर में उपस्थित पेंशनर्स का आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जारी किए गए। साथ ही चिकित्सा टीम द्वारा इन सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान कर्मचारी कल्याण निरीक्षकों की टीम भी उपस्थित रहे। इस अभियान के माध्यम से पेंशनभोगियों को उनके नजदीकी स्थानों पर ही सरल, सुगम एवं सुविधाजनक तरीके से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवाने के साथ ही स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जंगल में हाथी का ट्रैक्टर पर हमला: ग्रामीणों में मची भगदड़, बाल-बाल बची जान

कोरबा। हाथियों को भगाने के लिए जंगल में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे कुछ ग्रामीणों की कोशिश उस वक्त जानलेवा मुसीबत में बदल गई, जब शोर से भड़के एक गुस्साए हाथी ने अचानक ट्रैक्टर पर ही हमला बोल दिया। हाथी ने अपनी सूंड से ट्रैक्टर के अगले हिस्से को पकड़ लिया और उसे झिंझोड़ कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। कुछ ही सेकंड का यह पूरा घटनाक्रम इतना खतरनाक था कि ट्रैक्टर में सवार ग्रामीणों की जान पर बन आई थी।गनीमत रही कि सभी बाल-बाल बच गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ग्रामीण हाथियों के करीब पहुंचकर शोर मचाते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान एक हाथी अचानक आक्रामक हो गया और काफी अप्रत्याशित तरीके से ट्रैक्टर की तरफ बढ़ते हुए उसके अगले हिस्से को सूंड से पकड़ लिया। हाथी ने ट्रैक्टर को जोरदार तरीके से झकझोर दिया, जिससे उसका अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर जागर सिंह राठिया का है।

टीएल बैठक में धान खरीदी, पाइप्ड गैस कनेक्शन, भू-अर्जन और फसल क्षति सर्वे की समीक्षा

बिजली संबंधी शिकायतों का अभियान चलाकर करें निराकरण-कलेक्टर



बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में जनसमस्याओं के निराकरण और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बिजली विभाग को टूटे एवं झूलते तारों, टेढ़े खम्भों और ट्रांसफार्मर संबंधी शिकायतों का अभियान चलाकर निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतें मैदानी समस्याओं का महत्वपूर्ण संकेतक हैं। इनके आधार पर समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान कर सुधार करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल और अपर कलेक्टर श्री वीरेंद्र बहादुर पंचभाई सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए नोडल अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केन्द्र में निगरानी समिति के सदस्यों के नाम और फोन नंबर स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किए जाएं। जिले के जिन 22 केन्द्रों में अभी खरीदी शुरू नहीं हुई है, वहां खरीदी प्रारंभ कराएं, ताकि पूरी प्रक्रिया की जांच हो सके और सामने आने वाली कमियों को समय रहते दूर किया जा सके। बैठक में पाइप्ड गैस कनेक्शन के विस्तार पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि जिले में इस वर्ष 75 हजार कनेक्शन का लक्ष्य है। बिलासपुर में 40 हजार कनेक्शनों को पाइप्ड गैस से जोड़ने की संभावना है, जबकि तखतपुर और रतनपुर में आठ-आठ हजार कनेक्शन दिए जाने हैं। शहर में अब तक 2,700 कनेक्शन हो चुके हैं। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों सहित सभी शासकीय संस्थानों को भी पाइप्ड गैस से जोड़ने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि इसके उपयोग से ईंधन की लागत में लगभग 30 प्रतिशत की बचत होती है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन जमीनों का अर्जन और मुआवजा भुगतान हो चुका है, उन्हें अभियान चलाकर संबंधित विभाग के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया जाए। जिन प्रकरणों में विभागों से भू-अर्जन की राशि प्राप्त हो चुकी है, उनमें एसडीएम तत्काल भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने ई-ऑफिस के माध्यम से अधिकाधिक काम करने पर जोर देते हुए कहा कि अधिकारियों के कामकाज के मूल्यांकन में ई-फाइलिंग की प्रगति को भी आधार बनाया जाएगा। सड़कों की मरम्मत की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवागमन में लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सड़क मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा आगामी मंगलवार को अपरान्ह में की जाएगी। उन्होंने फसल नुकसान का सर्वे करने तथा खड़ी फसल और कटाई के बाद हुई क्षति, दोनों पर ध्यान देने के निर्देश दिए। फसल नुकसान की सूचना हेल्पलाइन नंबर 14447 पर देने की जानकारी भी दी गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अधिकारी ने राजस्व अधिकारियों को फसल क्षति के संबंध में प्रशिक्षण दिया। बैठक में विभागों के आपसी समन्वय से जुड़े विषयों और विभिन्न योजनाओं के कार्यों की भी समीक्षा की गई। इसके साथ आयोजित एनकॉर्ड समिति की बैठक में कलेक्टर ने स्कूल-कॉलेजों के आसपास नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री एवं गतिविधियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पेंशन के काम के साथ सेहत का भी ख्याल कोषालय में निःशुल्क शुगर और बीपी जांच

■ पेंशनरों की सुविधा के लिए संवेदनशील पहल, पेंशनर्स कर्मचारी संघ ने जताया आभार



बिलासपुर। जिला कोषालय आने वाले पेंशनरों को अब पेंशन संबंधी कार्यों के साथ अपने स्वास्थ्य की जांच कराने की भी सुविधा मिल रही है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला कोषालय में पिछले सप्ताह से शुगर एवं रक्तचाप की निःशुल्क जांच शुरू की गई है। बुजुर्ग पेंशनरों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई यह पहल उनके कामकाज के साथ सेहत का ख्याल रखने की दिशा में उपयोगी कदम है। पेंशन से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी जिला कोषालय आते हैं। इनमें कई पेंशनर मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे होते हैं। कोषालय परिसर में ही जांच की सुविधा मिलने से उन्हें अपने शुगर और बीपी के स्तर की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। इससे स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने में भी मदद मिलेगी।शासकीय सेवा में वर्षों तक योगदान देने वाले वरिष्ठजनों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की इस पहल का पेंशनर्स कर्मचारी संघ ने स्वागत किया है। संघ ने जिला कोषालय अधिकारी श्री बसंत कुमार गुलेरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोषालय में निःशुल्क जांच की सुविधा शुरू होने से पेंशनरों को सहूलियत मिली है।

बाल विवाह मुक्त बिलासपुर जिला बनाने कलेक्टर ने की जनसहभागिता की अपील

■ 27 नवंबर को विशेष ग्राम सभाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों में बाल विवाह रोकने का संकल्प लेने का आह्वान



बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने जिलेवासियों से बिलासपुर को बाल विवाह मुक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। उन्होंने 27 नवंबर को बाल विवाह उन्मूलन के अंतरराष्ट्रीय दिवस पर विशेष ग्राम सभाओं तथा स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता गतिविधियों के आयोजन का आह्वान किया है। इन कार्यक्रमों में नागरिकों से बाल विवाह नहीं करने और इसका विरोध करने की शपथ लेने की अपील की गई है। कलेक्टर ने अपने संदेश में कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है, जो बच्चों के शारीरिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बाधित करती है। इससे बच्चों के अधिकारों का भी गंभीर हनन होता है। बच्चों को शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए बाल विवाह की रोकथाम जरूरी है। भारत सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत' तथा राज्य शासन के 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़' अभियान के उद्देश्य को जनसहयोग से साकार किया जा सकता है। श्री अग्रवाल ने आम नागरिकों, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों एवं सभी हितधारकों से इस अभियान से जुड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज की जागरूकता से बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। प्रत्येक नागरिक बाल विवाह रोकने की जिम्मेदारी निभाए और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें।कलेक्टर ने जिलेवासियों से सामूहिक संकल्प लेने की अपील करते हुए कहा कि सभी की भागीदारी से बिलासपुर को बाल विवाह मुक्त बनाकर बच्चों को सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य दिया जा सकता है।

दुग्ध उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आमदनी पंडरा पथरा दुग्ध समिति को मिलेगा बीएमसी

■ राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर कल आयोजन, लगभग 200 किसानों को उत्पादन, संग्रहण और विपणन का मिलेगा प्रशिक्षण



बिलासपुर। दुग्ध उत्पादन को किसानों की नियमित आमदनी का मजबूत जरिया बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर कल 26 नवंबर को बेलगहना क्षेत्र के ग्राम पंडरा पथरा में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सहकारी दुग्ध समिति को दूध के सुरक्षित संग्रहण के लिए बल्क मिल्क कूलर (बीएमसी) सौंपा जाएगा। समारोह में कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव और संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ. जीएसएस तंवर शामिल होंगे। देवभोग सहकारी डेयरी के माध्यम से संचालित पंडरा पथरा दुग्ध संग्रहण केन्द्र में वर्तमान में लगभग 200 लीटर दूध संग्रहित होता है। बीएमसी की सुविधा मिलने से दूध को ठंडा कर उसकी गुणवत्ता बनाए रखने और खराब होने की आशंका कम करने में मदद मिलेगी। इससे किसानों के दूध का सुरक्षित संग्रहण और आगे आपूर्ति की व्यवस्था बेहतर होगी। यह सुविधा क्षेत्र में दुग्ध व्यवसाय के विस्तार और अधिक किसानों को इससे जोड़ने में सहायक होगी। कार्यक्रम में समिति को दूध देने वाले लगभग 200 किसानों की संगोष्ठी आयोजित की जाएगी। विशेषज्ञ उन्हें स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादन, सुरक्षित संग्रहण और विपणन का विशेष प्रशिक्षण देंगे। किसानों को बताया जाएगा कि बेहतर प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन बढ़ाकर वे अपनी आमदनी में किस तरह वृद्धि कर सकते हैं। संगोष्ठी का उद्देश्य किसानों को उत्पादन से बाजार तक की प्रक्रिया की जानकारी देकर दुग्ध व्यवसाय को अधिक लाभकारी बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर गांव के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल के बच्चों को स्थानीय स्तर पर तैयार फ्लेवर्ड मिल्क भी परोसा जाएगा। आयोजन के माध्यम से स्थानीय दुग्ध उत्पादों को प्रोत्साहन देने के साथ बच्चों में दूध के सेवन के प्रति रुचि बढ़ाई जाएगी।

कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता देने के निर्णय को उत्तर प्रदेश के खाद्य मंत्री ने सराहा



■ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल को किसान हितैषी बताया, छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की प्रक्रिया की ली जानकारी

बिलासपुर। उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री मनोज कुमार पांडेय ने किसानों द्वारा 21 क्विंटल से कम धान बेचने पर भी पूरी आदान सहायता प्रदान करने के छत्तीसगढ़ सरकार के निर्णय की सराहना की है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के इस निर्णय को किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे श्री पांडेय ने आज सर्किट हाउस में खाद्य विभाग एवं सहकारी बैंक के अधिकारियों से चर्चा के दौरान राज्य में धान खरीदी की संपूर्ण प्रक्रिया और किसानों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। श्री पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का यह निर्णय किसानों के हित में अच्छी पहल है। चर्चा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित मात्रा से कम धान विक्रय करने पर भी किसानों को पूरी आदान सहायता देने का प्रावधान किया गया है। इससे अपनी जरूरत के लिए धान सुरक्षित रखने अथवा कम मात्रा में धान बेचने वाले किसानों को भी सहायता का पूरा लाभ मिल सकेगा। यह निर्णय किसानों को अपनी उपज के उपयोग और विक्रय के संबंध में सहूलियत देने के साथ उनकी आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर श्री पांडेय ने धान उपार्जन के लिए किसान पंजीयन, टोकन व्यवस्था, खरीदी केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, तौल एवं भुगतान सहित विभिन्न चरणों की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने राज्य में खाद्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा विभागीय गतिविधियों की प्रगति से भी उन्हें अवगत कराया। चर्चा में किसानों और हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ सुगमता से पहुंचाने तथा प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषय शामिल रहे। इस अवसर पर खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम श्री नितिन दीवान, जिला विपणन अधिकारी श्री उपेंद्र खांडे, खाद्य अधिकारी श्री राजीव लोचन तिवारी, सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रभात मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बेलतरा में वन्दे मातरम् मित्र मंडल की दसवीं शाखा का शुभारंभ

■ कृष्ण कुमार जायसवाल संयोजक व सोनू रजक सह-संयोजक मनोनीत

■ 20 दिसंबर को बिलासपुर में होगा सामाजिक समरसता पथ संचलन



बिलासपुर। वन्दे मातरम् मित्र मंडल की बिलासपुर जिले की दसवीं शाखा का शुभारंभ बेलतरा के ग्राम पंचायत भवन में शंखनाद और हनुमान चालीसा पाठ के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मंच पर मंडल के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र जैन, बेलतरा सरपंच सुरेश कुमार कश्यप, तीरथ राम यादव, रामरतन कौशिक, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमोद हरित, श्रीमती पुष्पलता एवं श्रीमती भगवती धीवर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र जैन ने संगठन की स्थापना, उद्देश्य तथा विगत पाँच वर्षों की कार्ययोजना पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि दलित, शोषित, वंचित और उपेक्षित वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़े बिना तथा उनके स्वास्थ्य व शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के बिना समग्र सामाजिक एकता संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि केवल आलोचना करने के बजाय समाज के सक्षम वर्ग को स्वयं आगे आकर दायित्व निभाना होगा, क्योंकि यह कार्य केवल शासन-प्रशासन के भरोसे पूरा नहीं हो सकता। जातीय भेदभाव समाप्त कर सामाजिक समरसता स्थापित करने के उद्देश्य से मंडल पिछले पाँच वर्षों से सक्रिय है।इस अवसर पर बताया गया कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए आगामी 20 दिसंबर को बिलासपुर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विशाल पथ संचलन निकाला जाएगा। इसमें सभी वर्गों के नागरिकों की भागीदारी रहेगी तथा शहर के विभिन्न समाज प्रमुखों का सम्मान किया जाएगा। सभा को मनहरण लाल वर्मा, पूर्णिमा पिल्ले, प्रमोद हरित, रामनिहोर राजपूत और रामरतन कौशिक ने भी संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र जैन ने सर्वसम्मति से कृष्ण कुमार जायसवाल को संयोजक एवं सोनू रजक को सह-संयोजक नियुक्त करने की घोषणा की। नवनियुक्त संयोजक कृष्ण कुमार जायसवाल ने जानकारी दी कि बेलतरा शाखा की बैठक प्रत्येक माह के दूसरे एवं चौथे शनिवार को दोपहर 2:59 बजे आयोजित की जाएगी। साथ ही, 20 दिसंबर के पथ संचलन में बेलतरा से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में रामाधार श्रीवास, तोषण कश्यप, सत्येंद्र जायसवाल, विनय नामदेव, रामरतन कौशिक, ध्रुव सोनी, रमेश मरावी, उमलेश जायसवाल, अरुण जायसवाल, देवी दास सूर्यवंशी, श्रीमती पुष्पलता, श्रीमती भगवती धीवर सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, गणमान्य नागरिक और मातृशक्ति उपस्थित थे। आयोजन व्यवस्था में विकास जायसवाल व अरुण जायसवाल का विशेष सहयोग रहा। शपथ विधि मनहरण लाल वर्मा ने कराई, राष्ट्रगीत पूर्णिमा पिल्ले ने प्रस्तुत किया, संचालन पुष्कर जायसवाल ने किया तथा आभार प्रदर्शन जमुना प्रसाद कश्यप ने किया।

फिल्म 'डैडी कूल' में दिखेगी शाहरुख-करीना की जोड़ी

छम्मक छल्लो में शाहरुख खान और करीना कपूर की केमिस्ट्री आज भी फैंस को याद है। अब सालों बाद दोनों की जोड़ी फिल्म 'किंग' में फिर साथ नजर आने वाली है। इस बार 'डैडी कूल' गाने में दोनों का मस्ती भरा अंदाज देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह गाना 25 नवंबर को रिलीज हो सकता है। लेकिन क्या शाहरुख-करीना की जोड़ी एक बार फिर 'छम्मक छल्लो' जैसा जादू चला पाएगी? इस गाने से जुड़ी पूरी जानकारी



बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स 25 नवंबर को नया गाना रिलीज करने की तैयारी में हैं। इसका नाम 'डैडी कूल' बताया जा रहा है। यह एक हिंग्लिश डांस नंबर होगा, जिसमें हिंदी और अंग्रेजी का मेल सुनने को मिलेगा। गाने में शाहरुख और करीना साथ नजर आएंगे। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से दावा किया गया है कि इस गाने में करीना खास आकर्षण होंगी। इसे सचिन-जिगर ने कंपोज किया है। रिपोर्ट के अनुसार, मेकर्स के सामने अभी दो विकल्प हैं। वे 25 नवंबर को 'डैडी कूल' रिलीज कर सकते हैं या फिर फिल्म का टाइटल ट्रैक दर्शकों के सामने ला सकते हैं। दोनों गानों के बीच करीब 9 दिनों का अंतर रखने की योजना है। इसके अलावा ट्रेलर से पहले दो और गाने रिलीज किए जाने की चर्चा है। फिल्म का ट्रेलर 14 दिसंबर को आ सकता है।

24 दिसंबर को रिलीज होगी फिल्म

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी 'किंग' में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, अभय वर्मा, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत और राघव जुयाल नजर आएंगे। फिल्म में सुहाना खान भी हैं। यह बड़े पर्दे पर उनकी पहली फिल्म होगी। 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अब फैंस को 25 नवंबर की म्यूजिकल अपडेट का इंतजार है।



'प्रेम मोल ले लिया' रिलीज के लिए तैयार

फिल्ममेकर सूरज बड़जात्या की फिल्म 'प्रेम मोल ले लिया' रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर काफी चर्चा है। वहीं फैंस सूरज और सलमान खान की फिल्म 'प्रेम की शादी' को लेकर भी अपडेट जानना चाहते हैं। अब सूरज ने इसे लेकर रिएक्ट किया है। फ्री प्रेस जर्नल से बातचीत में सूरज ने सलमान संग फिल्म को लेकर कहा, 'अभी थोड़ा सा वक्त और है। क्योंकि थोड़ा और मुझे कुछ चीजें पॉलिश करनी है।' बता दें कि 2022 में सलमान खान ने सूरज बड़जात्या की फिल्म 'ऊंचाई' की स्क्रीनिंग अटेंड की थी। तब सूरज ने सलमान संग फिल्म की अनाउंसमेंच की थी। उन्होंने कहा था कि 'प्रेम वापस आएगा।' उन्होंने ये भी बताया था कि उन्होंने फिल्म का टाइटल रजिस्टर कर दिया है। फिर सलमान ने कहा था कि प्रेम वापस आएगा और सूरज प्रेम की शादी करवाएंगे। मालूम हो कि सलमान खान और सूरज ने साथ में कई फिल्में की हैं। उनकी फिल्मों को काफी पसंद किया गया। उन्होंने साथ में फिल्म 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ साथ हैं' और 'प्रेम रत्न धन पायो' जैसी फिल्में की हैं। सभी फिल्मों में सलमान ने प्रेम का कैरेक्टर प्ले किया। फिल्म 27 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। फिल्म को राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया।

'पंचायत सीजन 5' के ट्रेलर लॉन्च पर मेकर्स ने दिया फैंस को बड़ा सरप्राइज

इस साल जब 'मिर्जापुर' जैसी वेब सीरीज बड़े पर्दे पर आई और सुपरहिट हुई, तो हर किसी के मन में यही सवाल था कि क्या अब बाकी हिट वेब सीरीज भी सिनेमाघरों में दिखेंगी? अब लगता है कि 'पंचायत' के फैंस की यह मुराद भी जल्द पूरी हो सकती है। 23 नवंबर को 'Panchayat Season 5' का ट्रेलर लॉन्च हुआ, जहां मेकर्स ने इस बात का साफ इशारा दे दिया कि वे 'मिर्जापुर' की तरह 'पंचायत' को भी फिल्म के रूप में थिएटर्स में लाने पर विचार कर रहे हैं।



ट्रेलर लॉन्च के मौके पर शो के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर विजय कोशी ने फैंस को यह बड़ा सरप्राइज दिया। उन्होंने इवेंट में कहा,"सिर्फ 5 या 10 सीजन ही क्यों, इस साल हमने जीतू को एक फिल्म करते देखा है। क्या आप लोग उन्हें और 'पंचायत' को एक फिल्म के रूप में नहीं देखना चाहते? इसलिए मुझे लगता है कि हम इस पर भी काम कर सकते हैं।" बता दें कि इसी साल 'मिर्जापुर' पहली ऐसी भारतीय वेब सीरीज बनी थी, जिस पर फिल्म बनाई गई और वह बॉक्स ऑफिस पर काफी सफल रही। खास बात यह है कि जितेंद्र कुमार 'मिर्जापुर द मूवी' का भी हिस्सा थे। ऐसे में अब 'पंचायत' की फिल्म बनने की उम्मीद भी बढ़ गई है। नए सीजन के ट्रेलर में दिखता है कि फुलेरा गांव की सत्ता अब पूरी तरह बदल चुकी है।

क्रांति देवी नई प्रधान बन गई हैं और उनके साथ बनराकस यानी भूषण की ताकत काफी बढ़ गई है। नई सत्ता आने के बाद बनराकस, सचिव जी (अभिषेक त्रिपाठी) और विकास के लिए काम करना काफी मुश्किल कर देता है। दूसरी तरफ, सचिव जी अपने एमबीए (MBA) की पढ़ाई को लेकर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गांव के नए माहौल में काम करना उनके लिए आसान नहीं है। वहीं, पूर्व प्रधान बृजभूषण भी अपनी पुरानी कुर्सी जाने के बाद इस नए बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं। इस बार कहानी में अभिषेक और रिंकी के रिश्ते में भी एक बड़ा मोड़ आने वाला है। ट्रेलर से साफ इशारा मिलता है कि अभिषेक अब शादी के बारे में सोच रहे हैं।

इसके लिए वह खुद रिंकी के माता-पिता यानी मंजू देवी और बृजभूषण से बात करने पहुंचते हैं।' पंचायत सीजन 5' का प्रीमियर 3 दिसंबर 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा। इस सीजन में भी जितेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, सान्विका, फैसल मलिक, चंदन रॉय, दुर्गेश कुमार, सुनीता राजवार और अशोक पाठक जैसे पुराने और पसंदीदा कलाकार नजर आएंगे।इस सीरीज का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है, जबकि इसे दीपक कुमार मिश्रा, चंदन कुमार और अरुणाभ कुमार ने मिलकर बनाया है।

'ओम' फिल्म को दर्शकों से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला

मूटी और धनुष की फिल्म 'ओम' सच्ची घटनाओं पर आधारित क्राइम ड्रामा है। इस फिल्म को दर्शकों से मिला जुला रिस्पॉन्स मिला है। फिर भी इसका ओपनिंग वीकेंड काफी शानदार रहा। लेकिन वीकडेज में एंट्री करते ही पहले मंडे को इसकी कमाई में काफी मंदी देखी गई। हालांकि फिर भी इसने कॉलीवुड की टॉप 10 हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्मों की लिस्ट में एंट्री कर ली है। 'ओम' का निर्देशन राजकुमार पेरियासामी ने किया है। उनीकी पिछली फिल्म 'अमरन' ने दुनिया भर में 300 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई की थी। ऐसे में 'ओम' से भी



काफी उम्मीदे हैं। इसने 18.10 करोड़ से खाता खोला था। फिर दूसरे दिन इसने 15.75 करोड़ कमाए। इसके बाद तीसरे दिन इसाक कलेक्शन 15.90 करोड़ रहा। लेकिन चौथे दिन यानी पहले सोमवार को फिल्म का असली इम्तिहान हुआ और ये मंडे टेस्ट पास नहीं कर पाई। सैकनिल्क की अर्ली ट्रैंड रिपोर्ट के मुताबिक चौथे दिन, फिल्म ने भारत में 6.2 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की। पहले दिन की 18.1 करोड़ रुपये की कमाई के मुकाबले, इसमें काफी गिरावट देखने को मिली। कुल मिलाकर, चार दिनों के बाद फिल्म का नेट कलेक्शन 55.95 करोड़ रुपये हुआ है और इसका ग्रॉस कलेक्शन 66.02 करोड़ रुपये रहा है। विदेशों में फिल्म ने कुल 28.5 करोड़ रुपये की कमाई की है, इस तरह, इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 94.52 करोड़ रुपये हो गया है। 2026 की टॉप 10 कॉलीवुड फिल्मों में हुई 'ओम' की एंट्री' ओम' मंडे टेस्ट पास नहीं कर पाई। फिल्म ने चौथे दिन अपने पहले दिन की तुलना में 65.7% कम कमाई की।

'यूएस-ओवरसीज में 'रामायण' ने रचा इतिहास



नितेश तिवारी निर्देशित 'रामायण' की कमाई में तीसरे हफ्ते के वीकडेज में बेशक मंदी आई है लेकिन ये अपनी रिकॉर्ड बुक में हर दिन नई उपलब्धि शामिल कर रही है। अब ये इंटरनेशनल मार्केट में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।रणबीर कपूर स्टारर इस फिल्म ने इंटरनेशनल टेरिटरीज में 59 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 490 करोड़ रुपये) की कमाई की है, जो ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर भारतीय सिनेमा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर 'सैकनिल्क' के अनुसार, इससे पहले 'धुरंधर : द रिवेंज' के नाम विदेशी बाजारों में लगभग 475.93 करोड़ रुपये (51 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की कमाई करने का रिकॉर्ड था। ऐसे में 'रामायण' ने ओवरसीज में हाईएस्ट ग्रॉसिंग इंडियन फिल्मों की लिस्ट में 'धुरंधर 2' को मात देकर नंबर 1 की पोजिशन पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि नॉर्थ अमेरिका 'रामायण' का सबसे बड़ा विदेशी बाजार बनकर उभरा है, जहां फिल्म ने अमेरिका और कनाडा को मिलाकर लगभग 28.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर की कमाई की है। इस फिल्म ने 'धुरंधर : द रिवेंज' की कुल कमाई (28 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के आंकड़े को भी पीछे छोड़ दिया है।

फीचर

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के लिए कठिन परिश्रम-प्रयत्न से महत्वपूर्ण काम पूरा होगा। रोजी-रोजगार के क्षेत्र में उलझन और आर्थिक समस्याओं का सामना होगा। जोखिम भरा काम नहीं करना चाहिए। स्वजनों के स्वास्थ्य की चिंता होगी। सामान्य आर्थिक लाभ होगा। साझेदारी में कारोबार करने वालों को कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। इस अवसर का सोच-समझकर लाभ उठाएं।

वृषभ राशि - आवश्यक कार्य संपादन में आपकी अपनी सूझ-बूझ प्रशंसनीय होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा। परिश्रम का पूरा फल मिलेगा। शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्रा से लाभ मिल सकता है और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

मिथुन राशि - श्रेष्ठजनों के सहयोग से बिगड़े कार्य बनेंगे। मधुर वाणी व चतुराई से आप अपने काम बना लेंगे। विरोधियों पर विजय मिलेगी। संकल्पित काम पूरे होंगे। भौतिक सुख-सुविधा बढ़ेगी। उद्योग-धंधे में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। धार्मिक कार्य में रुचि होगी। कुछ लोग आपके काम में बाधा डालने की कोशिश कर सकते हैं।

कर्क राशि - उन्नतिगामी प्रयास सफल होंगे। नवीन योजनाएं कार्यान्वित होंगी। कर्मक्षेत्र में संतोषजनक प्रगति होगी। वाक-पटुता एवं चतुराई से बिगड़े हुए काम पूरे होंगे। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। निर्माण कार्य में प्रगति होगी। संतान सुख मिलेगा। अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करना आपके लिए बेहतर रहेगा।

सिंह राशि - उतावलेपन से लाभ का मार्ग अवरुद्ध होगा। बुद्धि-चतुरता से विपरीत स्थितियों में सुधार होगा। आर्थिक समस्याओं का समाधान मिलेगा। निराशा का समापन होगा। नए लोगों से संपर्क बनेगा। महिला मित्र के माध्यम से लाभ होगा। शुभ समाचार मिलेगा। रिश्तेदारों के साथ संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद सामने आ सकता है।

कन्या राशि - कन्या राशि के लिए उलझा हुआ कार्य सुलझेगा। परिश्रम-प्रयत्न से प्रतिकूल परिस्थिति अनुकूल बनेगी। आपके मित्र मददगार साबित होंगे। मन को शांति मिलेगी। सामयिक-सामाजिक विकास होगा।

तुला राशि- आज का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक है। चारों ओर से लाभदायक समाचारों की प्राप्ति होगी। नई आशाएं उदित होंगी। धनागम के अवसर बढ़ेंगे। अवसरों का फायदा उठाएं। परिवार में मांगलिक कार्य होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी। लंबे समय से चल रही कानूनी परेशानियों का समाधान निकल सकता है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।।

वृश्चिक राशि - कर्मक्षेत्र में परिश्रम-संघर्ष अधिक करना पड़ेगा। कुछ जरूरी काम-काज के प्रसंग उत्साहित करेंगे। प्रभावशाली माध्यम से लाभ होगा। सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव बढ़ेगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। नवीन व्यापारिक योजना सफल होगी। आर्थिक लाभ होगा।पारिवारिक जीवन में संतुलन बना रहेगा। हालांकि, वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें।

धनु राशि- निराशा दूर होगी। नौकरी करने वालों के पद, मान-मर्यादा और यश में वृद्धि होगी। राजकीय पक्ष से सहयोग मिलेगा। आपका व्यक्तित्व निखरेगा और आत्मबल बढ़ेगा। धार्मिक कार्य में रुचि होगी। विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा। वांछित उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा।

मकर राशि - पारिवारिक सुख मिलेगा। बिगड़े कार्य बनेंगे। आजीविका की दिशा में चले आ रहे कुछ प्रयास पूरे होंगे। सत्ता या संगठन में आपकी स्थिति मजबूत होगी। जमीन-मकान और स्थिर संपत्ति से संबंधित काम सिद्ध होंगे। कामकाज के बीच पर्याप्त आराम करें और शरीर पर जरूरत से ज्यादा दबाव न डालें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना बेहतर रहेगा।

कुंभ राशि- रोजी-रोजगार में थोड़े परिश्रम से ही अभीष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यापारिक यात्रा लाभप्रद होगी। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। धन लाभ होने की संभावना है। बेरोजगारों को रोजगार का साधन उपलब्ध होगा। नई योजनाएं बनेंगी और कार्यप्रणाली में सुधार आएगा।

मीन राशि-राजकीय सेवा से जुड़े लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। घरेलू आवश्यकताओं पर अधिक व्यय करना पड़ेगा। मानसिक चिंता बढ़ेगी। कर्मक्षेत्र में नए विरोधियों से नई कठिनाइयां उत्पन्न हो सकती हैं। स्वजन-प्रियजनों से मनमुटाव हो सकता है।दूसरों पर निर्भर रहने के बजाय अपने काम खुद पूरे करने की कोशिश करें।

भगवान शिव को क्यों चढ़ाए जाते हैं तीन पत्तियों वाले बेलपत्र?

भगवान शिव की पूजा में फूल, फल, धूप और दीपक के साथ बेलपत्र चढ़ाने का विशेष महत्व माना जाता है। आपने अक्सर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं को शिवलिंग पर तीन पत्तियों वाला बेलपत्र चढ़ाते देखा होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि महादेव को दूसरे पत्तों की जगह बेलपत्र ही क्यों चढ़ाया जाता है? इसकी तीन पत्तियों का क्या रहस्य है और इस परंपरा की शुरुआत कैसे हुई? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बेलपत्र भगवान शिव को बेहद प्रिय है। इसकी तीन पत्तियों को त्रिदेव, त्रिगुण और भगवान शिव के तीन नेत्रों से भी जोड़कर देखा जाता है। आइए जानते हैं बेलपत्र से जुड़ी पौराणिक कथा और इसका धार्मिक



भगवान शिव को क्यों प्रिय है बेलपत्र?

हिंदू धर्म में बेल के पेड़ को पवित्र माना जाता है। इसके पत्तों को बेलपत्र या बिल्वपत्र कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव को बेलपत्र अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं।शिव पुराण और अन्य धार्मिक परंपराओं में बिल्वपत्र की महिमा का वर्णन मिलता है। मान्यता है कि बेलपत्र चढ़ाने से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। यही वजह है कि शिव पूजा, सोमवार व्रत और महाशिवरात्रि के दौरान बेलपत्र का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है।

कैसे शुरू हुई भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा?

बेलपत्र को भगवान शिव को अर्पित करने के पीछे कई पौराणिक मान्यताएं प्रचलित हैं। एक प्रचलित कथा के अनुसार, एक बार एक शिकारी जंगल में शिकार की तलाश में गया। रात होने पर वह एक बेल के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। नीचे एक शिवलिंग स्थापित था, लेकिन शिकारी को इसकी जानकारी नहीं थी। रात के दौरान उसकी गतिविधियों के कारण पेड़ से बेलपत्र की पत्तियां नीचे गिरती रहीं और शिवलिंग पर चढ़ती गईं। सुबह तक अनजाने में उससे भगवान शिव की पूजा हो गई। धार्मिक कथा के अनुसार, इस पूजा के प्रभाव से उसे पुण्य प्राप्त हुआ।इस कथा को कई लोग शिव पूजा में बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा से जोड़ते हैं। हालांकि, इस कहानी के अलग-अलग रूप भी प्रचलित हैं।

तीन पत्तियों वाले बेलपत्र का क्या है महत्व?

बेलपत्र की सबसे खास बात इसकी तीन पत्तियां हैं. धार्मिक मान्यताओं में इन तीन पत्तियों को कई प्रतीकों से जोड़ा जाता है.

ब्रह्मा, विष्णु और महेश: बेलपत्र की तीन पत्तियों को त्रिदेव यानी ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। यह सृष्टि की रचना, पालन और संहार का संदेश देती हैं।

भगवान शिव के तीन नेत्र: धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव के तीन नेत्र हैं। बेलपत्र की तीन पत्तियों को उनके तीन नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है।

तीन गुणों का प्रतीक: हिंदू दर्शन में सत्व, रज और तम तीन गुण बताए गए है। तीन पत्तियों को तीन गुणों से भी जोड़कर देखा जाता है।

भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाते समय किन बातों का रखें ध्यान?

शिव पूजा में बेलपत्र चढ़ाते समय कुछ परंपराओं का ध्यान रखा जाता है। हमेशा साफ और साबुत बेलपत्र चढ़ाने की कोशिश करें। तीन पत्तियों वाला बेलपत्र चढ़ाना शुभ माना जाता है। बेलपत्र के पत्तों को धोकर साफ कर लें। सामान्य पूजा परंपरा में चिकनी सतह यानी पत्ते का ऊपरी हिस्सा शिवलिंग की ओर रखा जाता है। बेलपत्र चढ़ाते समय भगवान शिव के मंत्रों का जाप कर सकते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़ते समय उसकी शाखाओं को नुकसान न पहुंचाएं।

मंदिर की सीढ़ियों पर बैठने की परंपरा क्यों है?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, मंदिर में भगवान के दर्शन आंखें खोलकर किए जाते हैं, ताकि उनका मुख, श्रृंगार और स्वरूप मन में बस जाए। इसके बाद बाहर आकर आंखें बंद करके उसी स्वरूप को अपने भीतर देखने का प्रयास किया जाता है।मान्यता है कि मंदिर का शिखर भगवान के मुख और उसकी सीढ़ियां उनके चरणों का प्रतीक हैं। ऐसे में सीढ़ियों पर बैठना भगवान के चरणों के पास कुछ पल बिताने जैसा माना जाता है।



मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर बोली जाती है यह खास प्रार्थना

इस परंपरा से एक संस्कृत श्लोक भी जुड़ा है, जिसे भगवान के सामने विशेष प्रार्थना के रूप में बोला जाता है।

अनायासेन मरणं, बिना दैन्येन जीवनम्.
देहान्ते तव सानिध्यं, देहि मे परमेश्वरम्.

क्या है इस संस्कृत श्लोक का हिंदी अर्थ?

इसका भावार्थ है कि हे परमेश्वर! मेरी मृत्यु बिना कष्ट के हो। मेरा जीवन किसी के सामने दीन (लाचार) होकर न बीते और जीवन के अंतिम समय में मुझे आपका सानिध्य (साथ) प्राप्त हो। इस प्रार्थना में न धन की मांग है, न गाड़ी-बंगले की। इसमें केवल सम्मान के साथ जीवन जीने, बिना कष्ट मृत्यु पाने और अंतिम समय में भगवान के पास रहने की कामना की गई है।

भीष्म पितामह और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है भाव

धार्मिक मान्यता के अनुसार, यह प्रार्थना भीष्म पितामह की उस इच्छा की याद दिलाती है, जब उनके अंतिम समय में भगवान श्रीकृष्ण उनके सामने मौजूद थे।

मंदिर की सीढ़ियां क्यों मानी जाती हैं खास?

मंदिर की सीढ़ियां मानो भगवान के धाम और संसार की भागदौड़ के बीच एक ठहराव है। यहां कुछ पल बैठकर भक्त दर्शन के दौरान मिली शांति को अपने मन में उतारने का प्रयास करता है। यही वजह है कि दर्शन के बाद तुरंत लौटने के बजाय कुछ देर बैठने की परंपरा को धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व दिया जाता है।

पुराने स्वेटर से कैसे पाएं स्टाइलिश लुक

सर्दियों में अलमारी खोलते ही सबसे पहले नजर पुराने स्वेटर पर ही जाती है। कुछ स्वेटर ऐसे होते हैं, जिन्हें हम हर साल पहनते हैं, लेकिन बार-बार एक ही तरह से पहनने पर उनसे मन भरने लगता है। ऐसे में लगता है कि इस बार कुछ नया खरीद लिया जाए, लेकिन हर बार नए कपड़े खरीदना भी तो आसान नहीं होता। इसलिए क्यों न अपने पुराने स्वेटर को ही थोड़ा अलग तरीके से पहनकर देखा जाए? यकीन मानिए, इसके लिए न तो स्वेटर में कोई बदलाव करने की जरूरत है और न ही ढेर सारे नए कपड़े खरीदने की। बस उसके साथ पहनी जाने वाली कुछ चीजों में बदलाव करके आप अपना पूरा लुक बदल सकती हैं। अगर आपके पास भी पिछले साल के स्वेटर रखे हैं और इस बार उन्हें पहनने का मन नहीं कर रहा, तो उन्हें अलमारी में रखने की बजाय ये 5 तरीके अपनाकर देखें। हो सकता है कि आपका वही पुराना स्वेटर आपको फिर से पसंद आने लगे।

स्वेटर के नीचे पहन लें शर्ट

आपने कई लोगों को स्वेटर के नीचे शर्ट पहने देखा होगा। यह स्टाइल काफी सिंपल है, लेकिन इसे अपनाने से सिंपल सा स्वेटर भी पहले से अलग दिखने लगता है। खासकर अगर आपके पास गोल गले वाला स्वेटर है, तो उसके नीचे शर्ट पहनकर देखिए।



इसके लिए बस शर्ट का कॉलर स्वेटर के बाहर रखना है। आप चाहें तो शर्ट की आस्तीन को भी थोड़ा बाहर निकाल सकती हैं, जिससे कपड़ों में एक बहुत ही प्यारा सा बदलाव नजर आएगा। अब जब शर्ट पहन ही रही हैं, तो उसके रंग का भी थोड़ा ख्याल रखें। अगर आपका स्वेटर किसी डीप रंग का है, तो उसके साथ सफेद या हल्के रंग की शर्ट अच्छी लगेगी। वहीं, प्लेन स्वेटर के साथ चेक वाली शर्ट भी पहन सकती हैं। नीचे नीली जींस या ट्राउजर पहनने से यह लुक और अच्छा लगेगा। ऑफिस जाना हो तो हल्के रंग की शर्ट चुनें, जबकि कॉलेज या दोस्तों के साथ बाहर जाना हो तो चेक वाली शर्ट पहन सकती हैं।

स्वेटर के साथ स्कार्फ या स्टोल पहनें

सर्दियों में स्कार्फ और स्टोल तो कई लोगों के पास होते ही हैं। इन्हें सिर्फ ठंड से बचने के लिए ही नहीं, बल्कि पुराने स्वेटर को नया लुक देने के लिए भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले अपने स्वेटर के रंग और डिजाइन पर ध्यान दें। मान लीजिए आपके पास एक प्लेन ब्लैक, वाइट या ग्रे स्वेटर है, तो उसके साथ रंगीन या प्रिंट वाला स्कार्फ पहन सकती हैं।



इससे कपड़े बिल्कुल अलग दिखने लगेंगे। वहीं, अगर आपके स्वेटर पर पहले से कोई डिजाइन या प्रिंट है, तो उसके साथ हल्के रंग का सिंपल स्टोल पहनें। स्कार्फ या स्टोल चुनने के बाद उसे पहनने का तरीका भी आपके लुक को थोड़ा अलग बना सकता है। आप स्कार्फ को गले में एक बार लपेटकर उसके दोनों सिरों को आगे की तरफ छोड़ सकती हैं। अगर स्टोल बड़ा है, तो उसे दोनों कंधों पर डालकर भी पहन सकती हैं। बस कोशिश करें कि उसका रंग स्वेटर से बिल्कुल अलग होने के बजाय उसके साथ अच्छा लगे। इसके साथ जींस और बूट्स पहनने से लुक और अच्छा लगेगा। ऑफिस, कॉलेज या कहीं घूमने जाना हो, तो बिना ज्यादा मेहनत किए इस तरह तैयार हो सकती हैं।

सार समाचार



श्रम कार्ड अद्यतन / संशोधन शिविरों को मिल रहा श्रमिकों का अच्छा प्रतिसाद, बड़ी संख्या में पहुंच रहे हितग्राही

दुर्ग । जिले में श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का निरंतर लाभ दिलाने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे श्रम कार्ड अद्यतन शिविरों को श्रमिकों का भरपूर प्रतिसाद (रिस्पॉन्स) मिल रहा है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लगाए जा रहे इन शिविरों में बड़ी संख्या में श्रमिक पहुंचकर अपना श्रम कार्ड अद्यतन / संशोधन कार्य करवा रहे हैं। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा योजनाओं की राशि और सुविधाएं सीधे वास्तविक एवं पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए विभागीय डेटाबेस को आधार कार्ड के अनुरूप सत्यापित किया जा रहा है। इस कार्य के लिए कॉमन सर्विस सेंटर को अधिकृत किया गया है, जिनके संचालकों द्वारा क्षेत्रवार शिविर लगाकर श्रमिकों को यह सुविधा उनके घर के नजदीक ही उपलब्ध कराई जा रही है। शिविरों में मिल रहे उत्साहजनक परिणामों से डेटाबेस अद्यतन के कार्य में तेजी आई है। विभागीय नियमानुसार, आगामी योजनाओं का लाभ केवल उन्हीं पात्र श्रमिकों को मिलेगा जिनका श्रम कार्ड आधार कार्ड के अनुरूप अद्यतन होगा। प्रशासन और श्रम विभाग ने जिले के शेष सभी पंजीकृत श्रमिकों से भी अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए समय रहते अपने निकटतम शिविर अथवा सी.एस.सी. केंद्र में स्वयं उपस्थित होकर अपना श्रम कार्ड अद्यतन / संशोधन कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं।

सड़क चौड़ीकरण कार्य के लिए विद्युत आपूर्ति रहेगी बंद

दुर्ग । दुर्ग जिले में जेल तिराहा से मिनीमाता चौक तथा महाराजा चौक से बोरसी चौक तक सड़क चौड़ीकरण के अन्तर्गत विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं ट्रान्सफॉर्मर संबंधी कार्य किए जाएंगे। उक्त कार्यों के लिए दिनांक 25 से 28 नवंबर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10.00 बजे से शाम 05.00 तक निर्धारित क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। लोक निर्माण विभाग के एसडीओ (विद्युत/यांत्रिकी) चन्द्राकर ने बताया कि 25 नवंबर 2026 दिन बुधवार को पुरानी बोरसी, केसरी नंदन हनुमान मॉदर, मीनाक्षी नगर, विवेकानंद नगर, इंटॉसिटी जिम यूको बैंक, एस.बी.आई. बैंक यूनियन बैंक, एच.डी.एफसी. बैंक, एवं निकटवर्ती क्षेत्र बंद रखा गया था। इसी तरह 26 नवंबर 2026 दिन गुरूवार ऋषभ साउथ सिटी, डी-मार्ट, मनीष पेट्रोल पंप, छत्तीसगढ़ कंस्ट्रक्शन कैंप, रॉयल पार्क व्यू कॉलोनी, शुभम के मार्ट के बगल वाला पेट्रोल पंप एवं निकटवर्ती क्षेत्र विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। 27 नवंबर 2026 दिन शुक्रवार पद्मांभपुर एल.आई.जी. क्षेत्र, काली बाड़ी और काली बाड़ी के पिछे क्षेत्र अली गैरेज एवं अली गैरेज के पिछे क्षेत्र और 28 नवंबर 2026 दिन शनिवार पुरानी बोरसी, केसरी नंदन हनुमान मॉदर, मीनाक्षी नगर एवं आस-पास के क्षेत्र विद्युत आपूर्ति बंद की जाएगी।

ब्लैकआउट मॉक ड्रिल अभ्यास 26 नवम्बर को

दुर्ग ।नागरिक सुरक्षा मॉक अभ्यास और ब्लैकआउट ड्रिल अभ्यास एसएसपी दुर्ग, सीएसपीडीसीएल, बीएसपी, सीजीएम सेफ्टी बीएसपी, फायर ब्रिगेड, सीएमएचओ, एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस, तहसीलदार, फूड सेफ्टी के द्वारा 26 नवम्बर 2026 को डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट दुर्ग कैंपस केंद्रीय विद्यालय के पास में किया जाएगा।

बार-बार पाइप लाइन टूटने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित, नई लाइन बिछाने दिया आवेदन

आंधी-तूफान और बारिश से मकान क्षतिग्रस्त, आर्थिक सहायता की मांग

जनदर्शन में प्राप्त हुए 63 आवेदन



दुर्ग । जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। जनदर्शन में संयुक्त कलेक्टर राहुल कुमार रजक भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 63 आवेदन प्राप्त हुए। इसी कड़ी में नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 58 उरला में पेयजल पाइपलाइन बार-बार टूटने से रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समस्या के निराकरण के लिए वार्डवासियों ने नई पाइपलाइन बिछाने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि अमृत मिशन योजना के तहत सभी घरों में लंबे पाइपलाइन कनेक्शन दिए गए हैं। इस मार्ग से बड़े वाहनों के आवागमन के कारण पाइपलाइन बार-बार टूट जाती है, जिससे घरों में पेयजल आपूर्ति बाधित होती है। पाइपलाइन की मरम्मत के बाद भी कुछ दिनों में फिर टूटने की समस्या सामने आ रही है। वार्डवासियों ने नई पाइपलाइन बिछाने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान हो सके। विकासखंड दुर्ग के ग्राम भेड़सर निवासी ने भारी बारिश एवं आंधी-तूफान के कारण मकान क्षतिग्रस्त होने के कारण आर्थिक सहायता प्रदान करने आवेदन दिया। आवेदक ने बताया कि तेज आंधी-तूफान एवं बारिश के कारण उनका मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवेदक का परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है तथा परिवार के सदस्य शारीरिक रूप से भी कमजोर होने के कारण मजदूरी एवं अन्य कार्य करने में असमर्थ हैं। मकान क्षतिग्रस्त होने से परिवार के सामने रहने और जीवनयापन की समस्या उत्पन्न हो गई है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार दुर्ग को मकान क्षति(आपदा) के तहत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। ग्राम पंचायत चंदखुरी के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण करवाने आवेदन दिया। ग्रामीणजनों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 1 में रोड सीमेंटीकरण नही होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। लगभग 50 मीटर सड़क का सीमेंटीकरण कार्य नहीं होने से बारिश के दौरान कीचड़ एवं जलभराव की स्थिति बनी रहती है। उक्त सड़क का निर्माण लंबे समय से लॉबित है। इस संबंध में ग्राम सरपंच को भी बताया गया है। इस पर कलेक्टर ने जनपद पंचायत सीईओ को निरीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

आकाश गंगा इंडियन कॉफी हाउस के पीछे निगम ने चलाया सफाई अभियान



भिलाईनगर । नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से लगातार सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 17 स्थित आकाश गंगा इंडियन कॉफी हाउस के पीछे साफ -सफाई अभियान चलाया गया। उक्त क्षेत्र में सब्जी मंडी संचालित होने के कारण प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरा एकत्रित हो जाता है। विशेषकर सब्जियों से निकलने वाले अपशिष्ट के कारण आसपास गंदगी फैल जाती है। इसे देखते हुए निगम के सफाई कर्मचारियों की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर व्यापक साफ -सफाई कराई गई। कर्मचारियों ने सब्जियों के अवशेष एवं अन्य जमा कचरे को एकत्रित कर हटाया तथा पूरे क्षेत्र की सफाई की। इसके साथ ही आसपास की नालियों में फंसे कचरे एवं गंदगी को भी बाहर निकाला गया, जिससे नालियों में पानी का बहाव सुचारू हो सके। नियमित सफाई के माध्यम से क्षेत्र में गंदगी और जलभराव की समस्या को रोकने का प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा नागरिकों एवं सब्जी व्यापारियों से अपील की गई है कि वे सब्जियों के अपशिष्ट एवं अन्य कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें। सड़क, बाजार एवं नालियों में कचरा न फेंकें, ताकि शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनी रहे। स्वच्छ भिलाई के निर्माण में निगम के साथ नागरिकों की सहभागिता भी आवश्यक है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 26 नवम्बर को



दुर्ग । जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा 26 नवम्बर को जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र मालवीय नगर दुर्ग में जिला स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। उप संचालक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्तमान में निजी क्षेत्र के कुल 12 नियोजकों से 10वी, 12वी, स्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग एवं अन्य योग्यताधारी आवेदकों हेतु 825 तकनीकी एवं गैर तकनीकी रिक्तियाँ प्राप्त हो चुकी है। जिसकी जानकारी रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in अथवा छ.ग. रोजगार एप पर उपलब्ध है। इच्छुक आवेदकों द्वारा जानकारी प्राप्त कर ऑनलाईन आवेदन किया जा सकता है। रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल पर उपलब्ध रिक्तियों हेतु आवेदन करने के लिए आवेदक को रोजगार पंजीयन करवाना अनिवार्य है। जिला स्तरीय रोजगार मेला में सम्मिलित होने के इच्छुक आवेदक रोजगार मेला हेतु ऑनलाईन आवेदन कर रोजगार मेला हेतु निर्धारित स्थान में अपने समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ उपस्थित हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में संपर्क कर सकतें है।

भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस में सीडीआई-6 हेतु दो गैस एनालाइज़र प्रणालियों का सफल कमीशनिंग

ऑक्सीजन एवं कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर की सटीक निगरानी महत्वपूर्ण



भिलाई । भिलाई इस्पात संयंत्र के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग द्वारा ब्लास्ट फर्नेस के नवनिर्मित एवं उन्नतिकृत सीडीआई-6 (कोल डस्ट इंजेक्शन) सिस्टम में दो अत्याधुनिक गैस एनालाइज़र प्रणालियों का सफलतापूर्वक कमीशनिंग किया गया। इन प्रणालियों की स्थापना से सीडीआई-6 की प्रक्रिया निगरानी एवं परिचालन सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी। आईपीयू योजना के अंतर्गत स्थापित इन गैस एनालाइज़र प्रणालियों के माध्यम से सीडीआई प्रक्रिया में कार्बन मोनोऑक्साइड (सीओ) एवं ऑक्सीजन (ओ2) के स्तर का ऑनलाइन मापन एवं निरंतर निगरानी की जा सकेगी। इससे गैसों के महत्वपूर्ण मापदंडों पर बेहतर नियंत्रण स्थापित करने तथा प्रक्रिया के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन में सहायता मिलेगी। कोल डस्ट इंजेक्शन प्रक्रिया में ऑक्सीजन एवं कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर की सटीक निगरानी महत्वपूर्ण है। नई प्रणालियों से प्राप्त रियल-टाइम डेटा के आधार पर परिचालन संबंधी निर्णय लेने में सुविधा होगी तथा संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर आवश्यक कदम उठाए जा सकेंगे। इन गैस एनालाइज़र प्रणालियों का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (आयरन) मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) विवेक वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक (ए एंड डी) बी मधु पिल्लई द्वारा किया गया। इन प्रणालियों की स्थापना एवं कमीशनिंग महाप्रबंधक ए एम डैनी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस कार्य में उप महाप्रबंधक ए एस रेड्डी, उप महाप्रबंधक ए आनंद, इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग, ब्लास्ट फर्नेस की पूरी टीम एवं उप महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) पवन वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शहर के आखिरी छोर तक पहुंचेगी रोशनी, स्ट्रीट लाइट संधारण के लिए नई एजेंसी को कार्यादेश जारी

महापौर की पहल पर प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाने निगम की बड़ी कार्रवाई, सभी वार्डों की बंद एवं खराब लाइटों का होगा नियमित सुधार

शहर के हर वार्ड के कोने-कोने तक पहुंचेगी रोशनी, 1.30 करोड़ की लागत से सुधरेगी स्ट्रीट लाइट व्यवस्था



दुर्ग । नगर पालिक निगम दुर्ग शहर की मार्ग प्रकाश व्यवस्था को व्यवस्थित, सुचारू एवं बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। महापौर अलका बाघमार के प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शहर में स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संचालन, संधारण, देखरेख एवं रखरखाव हेतु नई एजेंसी म`स स' वाई.आर.सिंह को कार्यादेश जारी किया जा रहा है। निगम की इस पहल से शहर के सभी वार्डों, प्रमुख मार्गों, मोहल्लों एवं अंतिम छोर तक प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाया गया है।नगर निगम द्वारा शहर के सभी 60 वार्डों में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 1.30 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिससे शहर की हर गली, मोहल्ले और प्रमुख मार्गों पर रोशनी सुनिश्चित होगी।

निविदा प्रक्रिया से पहली बार नई एजेंसी का चयन, खराब लाइटों का होगा त्वरित सुधार-नई एजेंसी द्वारा नगर निगम क्षेत्र में स्थापित विद्युत पोलों पर लगी स्ट्रीट लाइटों, सायंकालीन टाइमर व्यवस्था तथा विभिन्न वार्डों में खराब एवं बंद पड़ी लाइटों का नियमित संधारण एवं सुधार कार्य किया जाएगा। इससे स्ट्रीट लाइट बंद होने की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण होगा और शहर की मार्ग प्रकाश व्यवस्था अधिक व्यवस्थित बनी रहेगी।उल्लेखनीय है कि पूर्व में ईएसएल द्वारा स्ट्रीट लाइट संधारण का कार्य किया जा रहा था, जिसकी कार्य अवधि 31 अगस्त 2026 को समाप्त हो गई थी। इसके बाद पहली बार निगम प्रशासन द्वारा विधिवत निविदा प्रक्रिया अपनाकर नई एजेंसी का चयन किया गया है। नई व्यवस्था के तहत नियमित निगरानी, खराब लाइटों की शीघ्र मरम्मत तथा बेहतर रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा।जानकारी के मुताबिक लगभग 13 कर्मचारियों की टीम शहर के सभी क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर बंद एवं खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और रखरखाव का कार्य करेगी। इसके अलावा, जिन चौक-चौराहों एवं स्थानों पर पर्याप्त रोशनी नहीं है और अंधेरा बना रहता है, वहां आवश्यकता अनुसार नए ट्यूबलर पोल लगाकर प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा, ताकि शहर के हर क्षेत्र में सुचारू एवं पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित हो सके।

महापौर ने कहा शहर के हर वार्ड और अंतिम छोर तक रोशनी पहुंचाना प्राथमिकता-महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में बेहतर प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है। स्ट्रीट लाइट केवल शहर की सुंदरता ही नहीं, बल्कि नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन से भी जुड़ी महत्वपूर्ण व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख मार्गों से लेकर मोहल्लों और अंतिम छोर तक रोशनी पहुंचाने के लिए निगम लगातार काम कर रहा है। नई एजेंसी के माध्यम से खराब एवं बंद पड़ी लाइटों को समय पर दुरुस्त किया जाएगा और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था के संधारण में लापरवाही नहीं होने दी जाएगी। हमारा प्रयास है कि दुर्ग शहर का कोई भी क्षेत्र अंधेरे में न रहे और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलें।

पाटन विकासखंड के 15 गांवों को जोड़ने वाले सेलूद-जामगांव-रानीतराई-पाटन मार्ग का होगा डामर नवीनीकरण

दुर्ग जिले को छत्तीसगढ़ शासन की एक और सौगात



दुर्ग। जिला दुर्ग के सेलूद-जामगांव-रानीतराई-पाटन मार्ग (लंबाई लगभग 38.00 कि.मी.) के डामर नवीनीकरण कार्य के लिए लगभग रू. 17.11 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई थी। कार्य की निविदा आमंत्रित कर एजेंसी का चयन किया गया और संबंधित ठेकेदार को कार्य आदेश जारी कर दिया गया है। यह कार्य विभागीय प्राथमिकता में शामिल है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. भट्टाचार्य ने बताया कि इस मार्ग का निर्माण वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा किया गया था। निर्माण को सात वर्ष पूरे होने और मार्ग के महत्व को देखते हुए इसका नवीनीकरण कराया जा रहा है। यह पाटन विकासखंड का महत्वपूर्ण मार्ग है, जो सेलूद, फेकारी, गाड़ाडीह, आमालोरी, पौहा, कुम्हली, जामगांव (आर), भरर, करेला, दिघारी, औसर, रानीतराई, असोगा, खर्रा और तेलीगुंडरा गांवों को पाटन मुख्यालय से जोड़ता है। साथ ही यह दुर्ग जिले से धमतरी एवं बालोद जिलों के आवागमन के लिए भी उपयोगी है। रानीतराई स्थित महाविद्यालय के विद्यार्थियों और यात्रियों को भी इससे सुविधा मिलती है।

उपमुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री अरुण साव के निर्देशन में प्रदेश में सड़कों के निर्माण और नवीनीकरण के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं, और यह कार्य भी उसी क्रम में हो रहा है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अनुसार नवीनीकरण के बाद आवागमन सुगम और सुरक्षित होगा। 15 गांवों के नागरिकों को पाटन मुख्यालय तक पहुंचने में समय और ईंधन की बचत होगी। किसानों को मॉडियों और बाजारों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी तथा विद्यार्थियों और मरीजों को स्कूल, महाविद्यालय और अस्पताल पहुंचने में आसानी होगी। क्षेत्र की व्यापारिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा।

12 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाली वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियाँ तेज

लोक अदालत एवं मध्यस्थता 3.0 की सफलता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग सक्रिय, न्यायाधीशगण की बैठक लेकर प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर दिया गया जोर



दुर्ग । आम नागरिकों को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिनांक 12 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाली इस वर्ष की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियाँ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जोर-शोर से प्रारंभ कर दी गई हैं। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार तथा माननीय न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू, कार्यकारी अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के. विनोद कुजूर के निर्देशन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय में लोक अदालत को अधिकाधिक सफल एवं परिणामोन्मुखी बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्यवाही की जा रही है।

प्री-सिटिंग एवं प्रकरणों के चिन्हांकन पर विशेष जोर-राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित प्रकरणों में प्री-सिटिंग की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है। इसके माध्यम से पक्षकारों के मध्य विवाद के मूल कारणों को समझने, समझौते की संभावनाओं का परीक्षण करने तथा उन्हें लोक अदालत के माध्यम से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही, न्यायालयों एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर लोक अदालत में रखे जाने योग्य प्रकरणों को चिन्हांकित करने तथा उनकी प्रभावी तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

मध्यस्थता 3.0 की सफलता के लिए न्यायाधीशगण की बैठक-राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों के साथ-साथ मध्यस्थता 3.0 अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से भी न्यायाधीशगण की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्यस्थता के माध्यम से अधिकाधिक उपयुक्त प्रकरणों का समाधान किए जाने, पक्षकारों को मध्यस्थता की प्रक्रिया के प्रति प्रोत्साहित करने तथा लंबित विवादों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही पर चर्चा की गई। बैठक में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा सभी न्यायाधीशगण को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित प्रकरणों तथा दस वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण को प्राथमिकता देते हुए उनका यथासंभव शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ऐसे प्रकरणों में संवेदनशीलता, प्रभावी न्यायिक कार्यवाही एवं समयबद्ध प्रयासों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

विभिन्न विभागों एवं हितधारकों के साथ समन्वय-राष्ट्रीय लोक अदालत को व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न संबंधित विभागों, न्यायालयों, विधिक सहायता तंत्र एवं अन्य हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

जिले के 124 अमृत सरोवरों में मनाया जाएगा संविधान दिवस

दुर्ग । भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं जल संरक्षण के प्रति जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 26 नवंबर 2026 को संविधान दिवस के अवसर पर जिले के सभी 124 अमृत सरोवर स्थलों पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे के निर्देशन में जिले की सभी जनपद पंचायतों को अपने क्षेत्र के प्रत्येक अमृत सरोवर स्थल पर संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में युवाओं, विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों, वीबीजीरामजी के अंतर्गत कार्यरत श्रमिकों, स्वयं सहायता समूहों एवं आजीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। आयोजन के दौरान भारतीय संविधान की प्रस्तावना का हिंदी एवं स्थानीय भाषा में वाचन किया जाएगा। साथ ही मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों एवं संवैधानिक मूल्यों पर संक्षिप्त उद्बोधन दिया जाएगा। जल संरक्षण, स्वच्छता एवं अमृत सरोवरों के संरक्षण के लिए सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी। विद्यार्थियों एवं युवा क्लबों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com